कोटद्वार, शुक्रवार
20 जून 2025
वर्ष: 47
अंक: 55 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

पिथौरागढ़। तहसील के एक गांव में नौंवी कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुष्कर्म का आरोप विद्यालय के ही शिक्षक पर लगा है। मामले में पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक गंगोलीहाट क्षेत्र की एक महिला ने थाने पहुंचकर तहरीर दी। महिला ने सहायक अध्यापक केशर लाल पर आरोप लगाया कि बीते रोज 18जून को जब उनकी नाबालिग बेटी घर पर अकेली थी तो शिक्षक मौका देखकर कमरे में घुस आया और जबरन छात्रा के साथ शारीरिक संबंध बनाए। ग्रामीणों ने आरोपी शिक्षक को पकड़ा। जब नाबालिग से पूछताछ कि तो उसने बताया कि शिक्षक लंबे समय से उसका शारीरिक यौन उत्पीड़न कर रहा है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ बीएनएस की धारा 351(3), 65(1), 75 व 5/6 पोक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया। थानाध्यक्ष हीरा सिंह डांगी ने बताया कि गुरुवार को आरोपी शिक्षक को न्यायालय में पेश किया गया। मामले की विवेचना एसआई बबीता टम्टा को सौंपी गई है। पुलिस टीम में अपर उपनिरीक्षक नरेन्द्र पाठक, हेड कांस्टेबल देशदीपक, कांस्टेबल चालक आन सिंह शामिल रहे।

आपदा को लेकर कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध

चम्पावत। आगामी मानसून के दौरान संभावित आपदाओं से प्रभावी रूप से निपटने के लिए डीएम नवनीत पांडे ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने जनपद में तैनात समस्त राजकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश अगली सूचना तक प्रतिबंध लगा दिया है। गुरुवार को डीएम ने आदेश जारी किए। आदेशानुसार कोई भी अधिकारी अथवा कर्मचारी पूर्व स्वीकृति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी अपरिहार्य कारणवश अवकाश आवश्यक हो, तो अपने स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने के लिए द्वितीय अधिकारी का नाम प्रस्तावित करेंगे। स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात ही मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति होगी। डीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि स्वीकृत अवकाश की अवधि में भी संबंधित कार्मिकों की मोबाइल पर उपलब्धता अनिवार्य होगी। आदेशों की अवहेलना करने वाले कार्मिकों के विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

टैक्नीशियन का स्थानांतरण होने से मशीन कक्ष में लगा ताला

रुद्रपुर। उप जिला चिकित्सालय में तैनात सीटी टैक्नीशियन के स्थानांतरण होने से सीटी स्कैन मशीन कक्ष में ताला लग गया है। जिससे सीटी स्कैन करने वाले मरीजों को बाहर से सीटी स्कैन कराना पड़ रहा है। विदित हो कि 3 जुलाई 2021 को खटीमा के तत्कालीन विधायक पुष्कर सिंह धामी को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया तो खटीमा व आसपास के क्षेत्र के लोग खुशी से झूम उठे। खटीमा के रुके हुए विकास कार्यों को एक बार फिर पंख लगने की उम्मीद जग गई। मुख्यमंत्री बनने के बाद पुष्कर धामी ने क्षेत्र का एक मात्र सीएचसी अस्पताल का कायाकल्प करते हुए सौ बेड का उप जिला चिकित्सालय घोषित कर दिया। अस्पताल को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर दिया। 3 जनवरी 2022 को अस्पताल में पांच करोड़ की लगात से लगाये गये सीटी स्कैन मशीन का मुख्यमंत्री धामी ने शुभारंभ किया। लेकिन दो वर्षों तक सीटी टैक्नीशियन के नहीं रहने पर मशीन का संचालन नहीं हो पाया। सितम्बर 2023 में सीटी टैक्नीशियन योगेन्द्र त्रिवेदी की तैनाती हुई। जिसके बाद लोगों को सीटी स्कैन का लाभमिलने लगा। प्रतिदिन दो से तीन मरीजों का सीटी स्कैन किया जाता था।

अब सीटी टैक्नीशियन का स्थानांतरण होने से सीटी मशीन कक्ष में ताला लग गया है। जिससे मरीजों को सीटी स्कैन के लिए बाहर जाना पड़ रहा है। वहीं मरीजों को आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। अस्पताल से लगातार चिकित्सकों व अन्य स्टाफ के स्थानांतरण से लोगों में आक्रोश है।

सीएम धामी की बड़ी कार्रवाई, यूपीसीएल के तीन अधिकारी निलंबित

देहरादून : पौड़ी जनपद के रिखणीखाल ब्लॉक स्थित वड्डाखाल क्षेत्र में बिजली की लाइन पर कार्य करते समय संविदा लाइनमैन की करंट लगने से हुई मृत्यु की घटना को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित उपखण्ड अधिकारी चंद्रमोहन, अवर अभियंता शुभम कुमार और अधिशासी अभियंता विनीत कुमार सक्सेना को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह निर्णय राज्य में कार्य स्थलों पर सुरक्षा मानकों के पालन को सुनिश्चित करने और भविष्य में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की दृष्टि से लिया गया है। मुख्यमंत्री धामी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस प्रकार की लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्युत कार्यों के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्य स्थल पर सभी जरूरी सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता हो। विशेष रूप से फायर या शॉर्प ऑब्जेक्ट्स जैसे जोखिमपूर्ण उपकरणों के उपयोग के समय संबंधित कर्मियों के पास हेलमेट, ग्लव्स, सेफ्टी बेल्ट, इन्सुलेटेड औजार जैसे सभी सुरक्षात्मक संसाधन मौजूद होने चाहिए। उन्होंने मामले में लापरवाही बरतने सभी कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के उच्चाधिकारियों से भी इस संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट किया जाए कि विभाग के पास वर्तमान में कितने सुरक्षा उपकरण उपलब्ध हैं और क्या ये उपकरण फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों तक प्रभावी रूप से पहुंच भी रहे हैं या नहीं। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार प्रत्येक कर्मचारी के जीवन और सुरक्षा को सर्वोपरि मानती है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही को क्षम्य नहीं माना जाएगा। (एजेंसी)

●रिखणीखाल करंट हादसे में लापरवाही बरतने वाले सभी कर्मियों पर होगी कार्रवाई

प्रेमी के साथ मिलकर महिला ने की पति की हत्या

●पांच जून को कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य जंगल से बरामद हुआ था शव ●प्रेम प्रसंग व संपत्ति विवाद को लेकर बनाई थी पति के हत्या की साजिश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पांच जून को कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग के किनार जंगल में मिले अज्ञात शव की पुलिस ने गुत्थी सुलझा दी है। व्यक्ति की दूसरी पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या की घटना को अंजाम देकर शव जंगल में फेंक दिया था। हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग व संपत्ति का विवाद बताया जा रहा है।

मालूम हो कि पांच जून को पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप जंगल से एक अज्ञात शव बरामद किया था। व्यक्ति की जेब से मिले एक कागज के आधार पर उसकी पहचान दिल्ली बसंत कुंज रजोकरी निवासी रविंद्र कुमार के रूप में हुई थी। मामले में 17 जून को मृतक के भाई राजेश कुमार की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि वर्ष 2007 में उनके भाई राजेश कुमार का दिल्ली में रह रही अपनी पत्नी आशा देवी से मनमुटाव हो गया था। इसके बाद वह हरिद्वार आकर रह रहे थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात रीना सिंधू नाम की एक लड़की से हुई। 2010-11 में रविंद्र ने रीना सिंधू से विवाह कर दिया। बताया कि रविंद्र कुमार अपना मुरादाबाद का मकान बेचना चाह रहा था, लेकिन रीना मकान बेचने को राजी नहीं थी। इसी बात को लेकर आए दिन दोनों में विवाद होता रहता था। तहरीर में बताया गया था कि उन्हें शक है कि उनके भाई की हत्या उनकी दूसरी पत्नी रीना सिंधू ने की है। तहरीर के बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरु कर दी थी। अपर पुलिस अधीक्षक महोदय कोटद्वार चन्द्रमोहन सिंह व पुलिस उपाधीक्षक कोटद्वार निहारिका सेमवाल के पर्यवेक्षण, प्रभारी निरीक्षक कोटद्वार रमेश तनवर के नेतृत्व में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीमों द्वारा कई सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया गया। जिसमें पांच जून को एक संदिग्ध कार कोटद्वार के आसपास देखी गई। जो राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर गई। साक्ष्यों के आधार पर रीना सिंधू व उसके साथी परितोष ने ही रविंद्र कुमार की हत्या की थी। जिसके बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश लाइंस थाना सिलि रामंगाग बिहार निवासी रीना सिंधू व उत्तर प्रदेश नगीना निवासी परितोष कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया

पूछताछ में रीना सिंधू ने बताया कि मुरादाबाद में मेरे और रविंद्र कुमार के नाम पर एक बड़ा मकान है, जिसे रविंद्र कुमार बेचना चाहता था। रविंद्र कुमार के ऊपर काफी कर्जा था। कोर्ट के एक आदेश में उसे कई लाख रुपये का जुर्माना भी भरना था। लेकिन मैं मकान नहीं बेचना चाहती थी, इसी बात को लेकर हम लोगों में आपस में झगड़ा होता रहता था। इसी बीच बिजनौर में फिजियोथेरेपी करवाने मेरे सेंटर में आए परितोष कुमार से मेरा परिचय हो गया। कुछ समय बाद हम दोनों में प्रेम प्रसंग भी चलने लगा। हम दोनों ने रविंद्र कुमार को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। रीना सिंधू ने बताया था उसने परितोष से वादा किया था कि यदि वह रविंद्र को मार देता है तो वह मुरादाबाद का मकान बेचकर उसे दस लाख रुपये भी देगी। बताया कि दिनांक 31मई को मैने फोन से अपने पति रविंद्र कुमार को नगीना परितोष के घर पर बुलाया और शराब पिलाकर परितोष ने फावड़े से रविंद्र की छाती व गले पर वार करके हत्या कर दी। फिर दोनों के द्वारा मृतक के शव को अपनी गाड़ी से कोटद्वार के जंगल में फेंक दिया गया। इसे बाद वह कोटद्वार से लौट गए थे और घटना में प्रयुक्त कार को उन्होंने नोएडा चौराहे के पास खड़ा कर दिया था।

बदरीनाथ धाम में ईको पर्यटक शुल्क भुगतान के लिए फास्ट ट्रैक सुविधा शुरू

बद्रीनाथ के देव दर्शनी में तीर्थयात्रियों को जाम से मिलेगी निजात

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य की चार धाम यात्रा में तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए संसाधनों का विकास किया जा रहा है। जिसके तहत अब बदरीनाथ धाम में नगर पंचायत बदरीनाथ की ओर से किए जाने वाले ईको पर्यटन शुल्क के भुगतान की प्रक्रिया को सरल कर दिया गया है। जिसके लिए धाम में नगर पंचायत की ओर से फास्ट ट्रैक की सुविधा का गुरुवार से शुभारंभ कर दिया गया है।

बदरीनाथ धाम में सुविधा को शुभारंभ जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने वर्चुअल माध्यम से किया। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि बदरीनाथ धाम की यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्री वाहनों से ईको पर्यटन शुल्क लिया जाता है। जिसके लिए वर्तमान तक नगद और क्यूआर कोड़ से भुगतान की सुविधा के साथ संचालित किया जा रहा था। लेकिन तीर्थ यात्रियों की अधिक आमद से बद्रीनाथ धाम की यात्रा के दौरान यहां देव दर्शनी में जाम की स्थिति पैदा हो रही थी। जिसे देखते हुए यहां अब ईको पर्यटक शुल्क के भुगतान के लिए फास्ट ट्रैक सुविधा का संचालन शुरु कर दिया गया है। नगर पंचायत बदरीनाथ के अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित ने बताया कि वर्ष 2022 में हुए गजट नोटिफिकेशन के बाद से धाम में आने वाले वाहनों से ईको पर्यटन शुल्क लिया जाता है। जिसके तहत फोर व्हिलर वाहन से 60, टेम्पो ट्रेवल्स/मिनी बस से 100, बस से 120 व हेलीकॉप्टर से 1 हजार रुपए की धनराशि एक बार में लिया जाता है। जिससे होने वाली आय से धाम में पर्यटन विकास, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, विकास कार्य, चार धाम यात्रा के दौरान अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती, बैरियर संचालन और पर्यटन महोत्सव के आयोजन आदि में किया जाता है। ऐसे में बदरीनाथ धाम की यात्रा में दिनों दिन हो रही बढोत्तरी के चलते ईको पर्यटक शुल्क के भुगतान के लिए तीर्थ यात्रियों को परेशानियों का सामाना करना पड़ रहा था। जिसे देखते हुए नगर पंचायत की ओर से योजना बनाकर पार्क प्लस कंपनी के तकनीकी सहयोग से देश के सर्वाधिक ऊंचाई वाले स्थान पर फास्ट ट्रैक सुविधा का संचालन शुरु किया गया है। जिससे अब तीर्थ यात्रियों को धाम में प्रवेश के समय परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस मौके पर उपजिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ, भुवन चंद्र उनियाल, जगजीत मेहता आदि मौजूद थे।

सुप्रीम कोर्ट से कमल हासन को राहत

नईदिल्ली,तमिल सिनेमा के जाने-माने अभिनेता कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ पिछले काफी समय से चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन कन्नड़-तमिल टिप्पणी विवाद की वजह से इसे कर्नाटक में रिलीज नहीं किया गया। अब हासन को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। दरअसल, ठग लाइफ के कर्नाटक में रिलीज होने का रास्ता साफ हो गया है। 19 जून को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कर्नाटक सरकार से कहा कि अगर फिल्म को लेकर कोई हिंसा होती है तो वह आपराधिक कानूनों के तहत उचित कार्रवाई करें। अदालत ने कहा, यह सुनिश्चित करना राज्य का काम है कि हिंसा करने वालों पर कार्रवाई करे। हम ऐसा नहीं होने दे सकते। सिर्फ एक बयान की वजह फिल्म की रिलीज पर रोक लगाना गलत है। कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया है कि वह अपने नागरिकों को सुरक्षा देंगे।

दिव्य कलश ज्योति रथ यात्रा के लोगों ने किए दर्शन

नई टिहरी। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के 100वें वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में दिव्य कलश ज्योति रथ यात्रा नई टिहरी पहुंची। श्रद्धालुओं ने दिव्य कलश ज्योति रथ यात्रा के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। हरिद्वार से ऋषिकेश होते हुए नई टिहरी पहुंची दिव्य कलश ज्योति रथ यात्रा का लोगों ने हनुमान चौक, कृष्ण चौक, मौलधार, गणेश चौक, साई चौक सहित नगर के विभिन्न स्थानों पर दर्शन किए। दर्शन के दौरान लोगों को गायत्री मंत्र सुनाया गया। यात्रा के संयोजक दिनेश चंद्र मैखुरी ने बताया कि गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार वर्ष 2026 में अपने सौ वर्ष पूर्ण कर लेगा। कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य नये भारत का निर्माण करना है।

बौराड़ी के एक होटल में आयोजित गोष्ठी में संयोजक मैखुरी ने कहा कि युवा पीढ़ी सनातन धर्म के संस्कारों को भूलकर विदेशों की संस्कृति की ओर जा रही है। कहा कि शिक्षा के साथ बच्चों को संस्कारवान बनाना जरूरी है।

पूर्णागिरि धाम मार्ग पर बाटनागाड़ नाले ने दिखाया रौद्र स्प

–फंसे 5000 तीर्थ यात्रियों को किया गया रेस्क्यू

चंपावत । पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश मां पूर्णागिरि धाम के दर्शन करने आए तीर्थ यात्रियों के लिए आफत बनी. हजारों श्रद्धालु बाटनागाड़ बरसाती नाले में भारी मलबा आने से फंस गए. जिसके बाद टनकपुर तहसील प्रशासन ने एसडीएम आकाश जोशी के नेतृत्व में अभियान चलाकर यात्रा मार्ग में फंसे 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को रेस्क्यू कर उनके गंतव्य को रवाना किया है. यात्रा मार्ग में फंसे तीर्थ यात्रियों की भोजन की व्यवस्था भी प्रशासन द्वारा कराई गई. जबकि टनकपुर से पूर्णागिरि धाम जाने वाला मार्ग बाटनागाड़ बरसाती नाले के पास अभी भी बंद है. पहाड़ों में हो रही लगातार बारिश लोगों पर कहर बनकर टूट रही है. बारिश के कारण

टनकपुर पूर्णागिरि यात्रा मार्ग पर बरसाती बाटनागाड़ नाला उफान पर है. बरसाती नाले में आए मलबे से यात्रा मार्ग में आवाजाही बाधित हो गई. जिससे हजारों तीर्थ यात्री मार्ग पर फंस गए. वहीं टनकपुर एसडीएम आकाश जोशी के नेतृत्व में एसडीआरएफ, पुलिस, फायर व राजस्व टीम द्वारा यात्रा मार्ग पर 5 हजार से अधिक तीर्थ यात्रियों को सकुशल रेस्क्यू कर उनके गंतव्य को रवाना किया गया.बरसाती नाले के उफान पर आने व सड़क मार्ग में भारी मलबा आने से पूर्णागिरि मार्ग और टनकपुर जौलजीबी मार्ग पूर्ण बाधित हो गया है. टनकपुर एसडीएम आकाश जोशी ने बताया कि पूर्णागिरी यात्रा मार्ग को खोलने के प्रयास प्रशासन द्वारा शुरू कर दिए गए हैं. यात्रा मार्ग के खुलने तक प्रशासन ने श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है.मानसून सीजन के चलते 15 जून को मेला समाप्त होने के बावजूद भी उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न इलाकों से तीर्थ यात्री मां पूर्णागिरि धाम के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं. वहीं पहाड़ों में हो रही बारिश के बाद टनकपुर पूर्णागिरि मार्ग पर आने वाले बरसाती नालों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर है. जिससे स्थानीय लोगों व यात्रियों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े.

डिनो मोरिया फिर हुए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश

नईदिल्ली,बॉलीवुड अभिनेता डिनो मोरिया जहां एक ओर फिल्म हाउसफुल 5 को लेकर सुर्खियों में हैं, वहीं पिछले कुछ दिनों से वह मीठी नदी घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में हैं। 65 करोड़ रुपये के इस घोटाले मामले में बुरे फंसे डिनो 19 जून को एक बार फिर ईडी के कार्यालय पहुंचे, जहां उनके बयान दर्ज हो रहे हैं।

इस दौरान डिनो के भाई सैंटिनो मोरिया भी उनके साथ मौजूद थे। सोशल मीडिया पर डिनो का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें मुंबई में ईडी के दफ्तर में प्रवेश करते हुए देखा जा रहा है। हालांकि, उन्होंने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। इससे पहले डिनो 12 जून के ईडी के कार्यालय पहुंचे थे। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) भी डिनो से पूछताछ कर चुकी है। बता दें कि यह छापेमारी मीठी नदी घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में हो रही है।

एयर इंडिया का ब्लैक बॉक्स क्षतिग्रस्त, डाटा निकालने अमेरिका भेजा जाएगा

अहमदाबाद विमान हादसा

अहमदाबाद,अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त एयर इंडिया के विमान से बरामद ब्लैक बॉक्स काफी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है, जिससे जानकारी मिलने में समस्या आ रही है। बताया जा रहा है कि ब्लैक बॉक्स के उन्नत फोरेंसिक विश्लेषण और डाटा निकालने के लिए उसे संभवतः अमेरिका या फ्रांस भेजा जा सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि सरकार एक या दो दिन में इस मामले में अंतिम निर्णय लेगी कि ब्लैक बॉक्स भेजा जाए या नहीं। दुर्घटना के बाद विमान से कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) बरामद किया गया था, जो काफी जले हुए थे। भारत इसमें से जरूरी डाटा निकालने का प्रयास कर रही है, लेकिन थर्मल और अन्य नुकसान को

आवश्यक विशेषज्ञता से ठीक किया जा सकता है, जो अमेरिका या फ्रांस में संभव है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) अभी अमेरिकी नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएससी) और बोइंग के साथ काम कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका में दुनिया की सबसे उन्नत ब्लैक बॉक्स प्रयोगशालाएं हैं, जो खराब से खराब डाटा को फिर से बनाने रिकवर करने में सक्षम हैं। इसलिए इसे अमेरिका ही भेजा जाना संभावित है, लेकिन उससे पहले भारत में कोशिश चल रही है। बता दें कि जब तक ब्लैक बॉक्स से आवश्यक डाटा बरामद नहीं हो जाता, तब तक जांच की प्रक्रिया धीमी हो सकती है। सीवीआर और एफडीआर को ही ब्लैक बॉक्स कहते हैं। सीवीआर में कॉकपिट के अंदर पायलटों के बीच बातचीत, एयर ट्रैफिक कंट्रोल के साथ संचार, कॉकपिट अलार्म, स्वचालित चेतावनियां और इंजन का शोर और स्विच को रिकॉर्ड करता है। एफडीआर से उड़ान के दौरान विमान की स्थिति और सिस्टम के बारे में तकनीकी जानकारी मिलती है, जिसमें ऊंचाई, गति, हेडिंग, ऊर्ध्वाधर त्वरण और पतवार, एलेरॉन और थ्रॉटल जैसी नियंत्रण सतह की स्थिति शामिल है। इससे हादसे का सही कारण पता चलेगा।

अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसे समाज का निर्माण दूर नहीं

–केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले

नईदिल्ली,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को भारतीय भाषाओं के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत में ऐसा समय जल्द आएगा जब यहां अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी। शाह ने यह बात दिल्ली में पूर्व सिविल सेवक आईएएस आशुतोष अग्निहोत्री की किताब मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं किताब के विमोचन पर कहा। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी से अलग समाज का निर्माण दूर नहीं है, लेकिन लड़ाई बहुत कठिन है। शाह ने कहा, हिंदी को लेकर कोई संकट नहीं है। हम सब के जीवन में इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसे समाज का निर्माण अब दूर

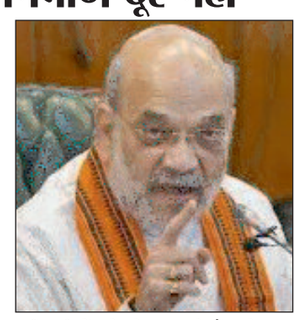

नहीं। चीजों को वो कर पाते हैं, जो ठान लेते हैं। मैं मानता हूं कि हमारे देश की भाषाएं, हमारी संस्कृति का गहना है। हमारी भाषाओं के बगैर हम भारतीय ही नहीं रहते हैं। हमारा देश, इसका इतिहास, इसकी संस्कृति, हमारा धर्म, इसको विदेशी भाषा में नहीं समझा सकता।

दिल्ली में ऑर्टिफिशियल रेन के पायलट प्रोजेक्ट को मौसम विभाग से मिली मंजूरी

नई दिल्ली,। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बिगड़ने पर फौरी राहत के लिए आर्टिफिशियल रेन (कृत्रिम बारिश) कराने के विकल्प को आजमाने के लिए दिल्ली सरकार की योजना को मौसम विभाग से मंजूरी मिल गई है. अब दिल्ली सरकार का पहला कृत्रिम वर्षा (आर्टिफिशियल रेन) पायलट प्रोजेक्ट पूरी तरह तैयार है. दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि सभी तैयारियां और जरूरी मंजूरियां पूरी हो चुकी हैं. अब बस मौसम की अनुकूलता खासकर उपयुक्त बादलों की उपलब्धता का इंतजार है. जैसे ही सही बादल नजर आएंगे, अभियान शुरू कर दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने परियोजना को मौसम संबंधी मंजूरी दे दी है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में क्लाउड सीडिंग की संभावना की पुष्टि की है. यह पायलट प्रोजेक्ट प्रदूषण नियंत्रण के लिए क्लाउड सीडिंग की तकनीकी क्षमता का परीक्षण एवं मूल्यांकन आईआईटी कानपुर के सहयोग से लागू किया जाएगा, जो वैज्ञानिक और तकनीकी संचालन का नेतृत्व करेगा.

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा मामले में एक और खुलासा, कई गवाहों ने देखा था नोटों को जखीरा

नईदिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा द्वारा इस्तीफा देने से इंकार करने और समिति की जांच को अन्यायपूर्ण बताने के बाद एक और जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित जांच समिति ने बताया कि न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आवास में कई गवाहों ने नोटों का जखीरा देखा था, लेकिन उन्होंने कभी शिकायत नहीं की।

समिति ने बताया कि गवाहों ने न्यायिक अधिकारियों को भी सूचित नहीं किया था। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला कि न्यायमूर्ति वर्मा पर लगे आरोप स्पष्ट हैं और उनको पद से हटाने के लिए वाजिब हैं। समिति को वर्मा के घर से कुछ जले हुए नोट मिले थे। समिति ने प्रत्यक्षदर्शी विवरण, दृश्य साक्ष्य, घटना की रिपोर्ट न करने सहित उनके 'अप्राकृतिक' आचरण को चिह्नित किया। समिति ने वर्मा की बेटी सहित 55 गवाहों से पूछताछ की और पुलिस कर्मियों की पुष्टि करने वाली

गवाही के साथ-साथ वीडियो प्राप्त की थी। समिति का कहना है कि कुछ गवाहों ने यह तक कहा कि वर्मा के घर में इतनी मात्रा में नकदी देखकर वह भी हैरान रह गया और उसने अपने जीवन में इतना पैसा पहली बार देखा था। समिति ने बताया कि न्यायमूर्ति वर्मा ने उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया है और उनकी जानकारी न होने का दावा अविश्वसनीय है, क्योंकि अगर कोई साजिश थी, तो उन्होंने हाई कोर्ट, सीजेआई या पुलिस में शिकायत क्यों नहीं दर्ज की थी। समिति ने बताया कि न्यायाधीश के निजी सचिव राजिंदर सिंह कार्की ने अग्निशमन अधिकारियों को कहा था कि वे नकदी मिलने की बात का रिपोर्ट में जिक्र करें। समिति का कहना है कि नकदी को कई लोगों ने देखा है, इसलिए यह मानना अविश्वसनीय है कि उनको फंसाने के लिए ऐसा किया गया है। जांच में कार्की और उनकी बेटी दीया वर्मा की "साक्ष्यों को नष्ट करने या घटनास्थल को साफ करने" में संभावित भूमिका भी दिखी है। न्यायमूर्ति वर्मा ने जांच समिति द्वारा दोषी ठहराए जाने केबाद 6 मई को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना को पत्र लिखकर इस्तीफा देने, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने से इंकार कर दिया था।

सम्पादकीय

तारों पर मौत, जिम्मेदार कौन?

जनपद पौड़ी के रिखणीखाल ब्लॉक में बिजली के तारों पर काम कर रहे लाइनमैन की मौत का जिम्मेदार आखिर किसे माना जाए? यह एक ऐसा हादसा था या फिर इसे लापरवाही ही कहा जा सकता है कि बिजली की तारों पर काम करने के बावजूद करंट दौड़ता रहा और किसी घर के चिराग ने तड़पते हुए खंभे पर ही अपने प्राण त्याग दिए। पुत्र के सहारे अपने बुढ़ापे की राहत तलाश रही मां इस सदमे को सह नहीं पाई और उसने भी अपने पुत्र की मृत्यु से आहत होकर जहर का सेवन कर लिया, लेकिन उसे अपने पुत्र की भांति शायद अभी संसार से विदा लेने की अनुमति नहीं मिली थी, हादसे से सदमे में आई शोकाकुल मां अस्पताल में भर्ती है। घटना यह बताने के लिए काफी है कि विभाग कितनी सतर्कता से कार्य करता है और उसके लिए संविदा पर कार्य करने वाले कर्मचारियों की क्या अहमियत है? घटनाक्रम पर नजर डाले तो रिखणीखाल ब्लॉक के अंतर्गत वड्डाखाल में बिजली के लाइन पर काम करते समय संविदा लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गई। उसका शव बिजली के खंभे पर तारों के बीच तीन घंटे तक लटका रहा। सड़क पर मौजूद लोगों ने यह दृश्य देखा तो मानो उनके पैरों तले जमीन ही खिसक गई, आमतौर पर समाज ऐसे दृश्य देखने का आदी नहीं है और जिसने भी स्थानीय युवक को करंट दौड़ते तारों के बीच तड़पते देखा वह जड़वत हो गए। जब तक कुछ किया जाता तब तक संविदा लाइनमैन दम तोड़ चुका था। स्पष्ट तौर पर यह ऊर्जा निगम की लापरवाही है और इस लापरवाही के पीछे कौन जिम्मेदार है वह सिर्फ किसी एक कर्मचारी को निलंबित करने से स्पष्ट होने वाली नहीं है।

प्रकरण पर संबंधित उपखण्ड अधिकारी, अवर अभियंता और अधिशासी अभियंता को निलंबित किया गया है, लेकिन इस निलंबन से क्या ऐसे हादसे आगे ना हो इसकी गारंटी ऊर्जा विभाग देने को तैयार है? उस मां के दिल पर क्या बीती होगी जिसने अपने बेटे को अपनी ही आंखों के सामने बिजली के पल पर मिनट हालत में लटका हुआ देखा होगा, ऐसा दृश्य आमजन को ही झकझोर कर रख दे तो फिर वह तो उसका पुत्र था। बिलखती मां ने भी जहर का सेवन कर लिया लेकिन सामाजिक जिम्मेदारियां निभाते हुए कुछ लोगों ने उसे तत्काल अस्पताल भर्ती कराया। लापरवाह विभाग के काम करने का तरीका शव को 3 घंटे तक उतारने के तौर पर भी देखा गया। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न तो यह है कि जब कर्मचारी बिजली के पल पर कार्य कर रहा है तो फिर "पावर कट" क्यों नहीं किया गया? क्या कर्मचारियों के बीच समन्वय का अभाव था या फिर ऊर्जा विभाग में कार्यरत लाइनमैन ऐसी ही संभावित दुर्घटनाओं के बीच कार्य करते हैं! इस प्रकरण में उच्च स्तर पर जांच होनी चाहिए और महज इसे एक हादसा मानकर भूलना आगे के संभावित हादसों को न्योता देने के समान ही होगा।

सड़कें, जिन्होंने भारत के विकास की दिशा बदल दी!

पिछले 11 वर्षों में निर्मित सड़कों ने हमारी लॉजिस्टिक्सत की लागत को 16 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है, और अगले वर्ष, हमारा लक्ष्य इसे और कम करके 9 प्रतिशत पर लाना है। इससे हमारे निर्यात में वृद्धि होगी, हम अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे, और भारत को 'विश्वगुरुइ बनने की दिशा में और अधिक प्रबल रूप से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय देशभर में 25 नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे बना रहा है। बंदरगाहों को जोड़ने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 3,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्ग भी बनाए जा रहे हैं। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार के प्रयास भी आकार ले रहे हैं। 22,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई बौद्ध सर्किट परियोजना ने दक्षिण एशिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन, सिंगापुर और जापान से भगवान बुद्ध की जन्मस्थली आने वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

नितिन गडकरी

साल 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की, उसी क्षण से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्चर प्राथमिकता देती आई है। इस दिशा में, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय बुनियादी ढांचे के विकास का केंद्र बिंदु बन गया। मोदी के नेतृत्व में इस मंत्रालय ने न केवल देश के आर्थिक विकास को गति दी है, बल्कि वर्ष 2014 से लेकर इन 11 वर्षों के दौरान इसे एक नया आयाम भी दिया है।

पूर्ण हो चुके और बनने वाले दोनों प्रकार के राजमार्गों के निर्माण – ने देश के विकास की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुशल राजमार्ग, जलमार्ग और रेलवे, लॉजिस्टिक्स की लागत में कमी ला सकते हैं और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को 'विश्वगुरुइ बनाने का सपना देखते हैं। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। इस सपने को साकार करने के लिए, हमें निर्यात बढ़ाने की जरूरत है, जिसकी बदौलत कृषि, सेवाओं और औद्योगिक क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देगा।

पिछले 11 वर्षों में निर्मित सड़कों ने हमारी लॉजिस्टिक्सत की लागत को 16 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है, और अगले वर्ष, हमारा लक्ष्य इसे और कम करके 9 प्रतिशत पर लाना है। इससे हमारे निर्यात में वृद्धि होगी, हम अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे, और भारत को 'विश्वगुरुइ बनने की दिशा में और अधिक प्रबल रूप से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय देशभर में 25 नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे बना रहा है। बंदरगाहों को जोड़ने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 3,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्ग भी बनाए जा रहे हैं। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार के प्रयास भी आकार ले रहे हैं। 22,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई बौद्ध सर्किट परियोजना ने दक्षिण एशिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन, सिंगापुर और जापान से भगवान बुद्ध की जन्मस्थली आने वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

इसके साथ ही, चार धाम स्थलों – बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री – पर जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या तीन गुनी हो गई है। केदारनाथ को जोड़ने के लिए 12,000 करोड़ रुपये की लागत से रोपवे का निर्माण किया जा रहा है। कैलाश मानसरोवर को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से जोड़ने वाली सड़क का

लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

भारत में, खास तौर पर राष्ट्रीय राजधानी में, 'उड़ने वाली बसोंइ का सपना साकार होने की कगार पर है। इसमें हवा में उड़ने वाली बसें, फ्लैश–चार्जिंग इलेक्ट्रिक बसें और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए उड़ने वाली डबल–डेकर बसें शामिल हैं। दिल्ली के धौला कुआं से मानेसर तक स्काईवे सिस्टम पर आधारित उड़ने वाली बस सेवा लगभग अपने अंतिम चरण में है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह प्रयोग इस विशेष मार्ग पर यातायात जाम की स्थाणयी समस्यू को हल करने में महत्वपूर्ण होगा।

नागपुर में जल्द ही पहली फ्लैश–चार्जिंग इलेक्ट्रिक बस लॉन्च की जाएगी। इसमें 135 सीटें, एग्जीक्यूटिव क्लास, सामने टीवी स्क्रीन और एयर होस्टेस जैसी बस होस्टेस होंगी। इस बस की अधिकतम गति 120 किमी/घंटा होगी और यह अपनी यात्रा को दोबारा शुरू करने से पहले पूरी तरह चार्ज होने के लिए हर 40 किमी पर सिफ़ 30 सेकंड के लिए रुकेगी।

ऐसा काम केवल दफ़्तर में बैठकर डीपीआर तैयार करने से नहीं हो सकता – इसके लिए जी–जान से प्रयास करने की ज़रूरत होती है !सड़क निर्माण पर आईआईएम–बैंगलोर द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) निर्माण पर खर्च किए गए प्रत्येपक1 रुपये से भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 3.21 रुपये की वृद्धि हुई है, जो 3.2 गुना का गुणक प्रभाव है। नतीजतन, घरेलू उत्पादन में 9 प्रतिशत और कार की बिक्री में 10.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा किए गए काम ने न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है, बल्कि रोज़गार के कई अवसरों का भी सृजन किया है ।

कुछ ध्यान देने योग्य आँकड़े: 2014 में, भारत में केवल 91,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग थे। 2024 तक, यह नेटवर्क लगभग 60 प्रतिशत बढ़कर 1.46 लाख किलोमीटर हो गया है। सड़क निर्माण की दैनिक गति 12 किलोमीटर/दिन से बढ़कर 28–30 किलोमीटर/दिन हो गई है। 5.35 लाख करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के तहत, आर्थिक गलियारों, अंतर्राष्ट्रीय सीमा सड़कों और सीमा क्षेत्र कनेक्टिविटी सहित 65,000 किलोमीटर सड़कें बनाने का लक्ष्य है। यह योजना भारत की लॉजिस्टिक्से की लागत में और कमी लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।'गति शक्ति और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पहल सड़क, रेलवे, वायु, जलमार्ग और बंदरगाहों को एकल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म में एकीकृत करती है, जिससे समय पर परियोजना पूर्ण होना सुनिश्चित होने में मदद मिली है। हमारे मंत्रालय ने सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से भी सड़क विकास परियोजनाओं को लागू करना शुरू कर दिया है, जिसने महत्वपूर्ण निजी निवेश आकर्षित किया है। इस मॉडल के तहत, 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सड़क परियोजनाएँ शुरू की गई हैं।

2014 में शुरू हुआ ये सफ़र केवल सड़कों का नहीं है; बल्कि एक तरह से ये भारत की प्रगति की जीवन रेखा बन गया है। राजमार्ग नेटवर्क के विस्तार ने न केवल यात्रा को आसान बनाया है, बल्कि घरेलू व्यापार, उद्योग, पर्यटन और सुरक्षा को भी बढ़ावा दिया है।

पहले दिन से ही हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने का अथक प्रयास कर रही है कि समावेशी विकास समाज की अंतिम कतार में खड़े हर व्यक्ति तक पहुंचे। हम इस लक्ष्य को जल्द से जल्द प्राप्त करने के लिए आने वाले वर्षों में इस काम को और भी तेज़ गति से करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अब हमारे पास विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और 2047 तक अपने राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को अमेरिका से भी बेहतर बनाने का एक स्पष्ट विजन मौजूद है, ताकि भारत एक आर्थिक महाशक्ति बन सके।

अमेरिका के पास अच्छी सड़कें इसलिए नहीं हैं क्योंकि वह अमीर है; अमेरिका अमीर इसलिए है, क्योंकि उसके पास अच्छी सड़कें हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी का यह कथन, जो दिल्ली में परिवहन भवन में मेरे कार्यालय में और इससे पहले महाराष्ट्र में जब मैं मंत्री था, तो वहां लगा हुआ था, यह संयोगवश नहीं है। मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों से यह हमारा मार्गदर्शक मंत्र रहा है।

हम भविष्य में इस काम को और भी तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आने वाले वर्षों में, भारत का सड़क से संबंधित बुनियादी ढांचा अमेरिका से भी बेहतर होगा – यह कोई सपना नहीं, बल्कि हकीकत है, जो आकार ले रही है। गुणवत्ता, गति, पारदर्शिता और पर्यावरण के अनुकूल नीतियों का संतुलन बनाए रखते हुए भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलेगी।

मध्य पूर्व में बढ़ता तनाव वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए गंभीर चिंताएं पैदा कर रहा

अजय कुमार हुडी

हाल ही में इजरायल और ईरान के बीच गहराए सैन्य टकराव ने वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले और उसके जवाब में ईरान के पलटवार ने दशकों से चली आ रही प्रतिद्वंदिता को एक नए खतरनाक मोड़ पर ला खड़ा किया है। इस घटनाक्रम ने न केवल मध्य पूर्व में तनाव को चरम पर पहुँचाया है, बल्कि कच्चे तेल की कीमतों में संभावित वृद्धि, डोनाल्ड ट्रंप जैसे वैश्विक नेताओं के बयानों और भारत की विदेश नीति पर इसके प्रभावों को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इजरायल और ईरान के बीच सीधे सैन्य टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों में हडक़ंप मचा दिया है। फारस की खाड़ी, जो विश्व के एक बड़े हिस्से को तेल की आपूर्ति करती है, में किसी भी तरह की अस्थिरता कच्चे तेल की कीमतों को आसमान छूने पर मजबूर कर सकती है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर हैं, के लिए यह स्थिति आर्थिक मोर्चे पर बड़ी चुनौती पेश कर सकती है।

उच्च तेल की कीमतें न केवल मुद्रास्फीति को बढ़ाएंगी बल्कि आर्थिक विकास की गति को भी धीमा कर सकती हैं। डोनाल्ड ट्रंप जैसे प्रभावशाली नेताओं के बयान इस संवेदनशील स्थिति को और जटिल बना सकते हैं। उनके बयान, चाहे वे किसी भी पक्ष में हों, वैश्विक जनमत और विभिन्न देशों की नीतियों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। ऐसे समय में जब संयम और कूटनीति की आवश्यकता है, भडक़ाऊबयानबाजी आग में घी डालने का काम कर सकती है। यह घटनाक्रम दिखाता है कि कैसे घरेलू राजनीति और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं भी अंतरराष्ट्रीय संबंधों को प्रभावित करती हैं। भारत के लिए यह स्थिति एक जटिल कूटनीतिक चुनौती पेश करती है। ऐतिहासिक रूप से, भारत के इजरायल और ईरान दोनों के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। इजरायल के साथ उसके रणनीतिक और रक्षा संबंध हैं, वहीं ईरान मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुँच के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्तिकर्ता और ट्रांजिट मार्ग है। ऐसे में, भारत को संतुलन साधते हुए अपनी विदेश नीति को आगे बढ़ाना होगा। दरअसल,संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर भारत की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, जहां वह बातचीत और कूटनीति के माध्यम से तनाव को कम करने का आह्वान कर सकता है। भारत को अपने नागरिकों और आर्थिक हितों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता देनी होगी, खासकर मध्य पूर्व में रहने वाले लाखों भारतीयों के संदर्भ में। इसके अलावा, इजरायल–ईरान संघर्ष के वैश्विक भू–राजनीति पर दूरगामी परिणाम होंगे। यह मध्य पूर्व में नए गठबंधन और दुश्मनी को जन्म दे सकता है। चीन, रूस और अमेरिका जैसे प्रमुख खिलाड़ी इस स्थिति का लाभ उठाने या अपने हितों की रक्षा करने का प्रयास करेंगे, जिससे वैश्विक शक्ति संतुलन और भी जटिल हो जाएगा।

चुनाव निकाय को बदनाम करना बेतुका

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मैच फिक्सिंग के आरोप में लिखे लेख पर चुनाव आयोग ने प्रतिक्रिया दी। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र में बीते साल हुए विधानसभा चुनाव में धांधली के दावों को खारिज किया।

कहा कि अनुकूल चुनाव परिणाम न मिलने के बाद चुनाव निकाय को बदनाम करना बेतुका है। गांधी के अनुसार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली का ब्ल्यूप्रिंट था, जो बिहार में होने वाले चुनाव में भी दोहराया जाएगा। उन्होंने लिखा, मैच फिक्स किए चुनाव लोकतंत्र के लिए जहर हैं। जो पक्ष धोखाधड़ी करता है, वह भले ही जीत जाए मगर इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होती हैं और जनता का नतीजों से भरोसा उठ जाता है। आयोग ने अपने बयान में कहा, कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर का संकेत है, बल्कि हजारों प्रतिनिधियों को बदनाम और लाखों कर्मचारियों को हतोत्साहित करती है। राहुल ने आयोग के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा–आप संवैधानिक संस्था हैं। मध्यस्थों को बिना हस्ताक्षर वाले, टालमटोल वाला नोट जारी करना गंभीर सवालों का जवाब देने का तरीका नहीं है। हालांकि राहुल को आरोपों के पुख्ता सबूत देने के प्रयास भी करने चाहिए। महाराष्ट्र के मतदाताओं में 8ल्न की वृद्धि पर कांग्रेस ने उसी वक्त आपत्ति दर्ज की थी। सत्ता पक्ष का कहना है कि चुनाव में करारी हार को विपक्ष गले नहीं उतार पा रहा। इसलिए आरोप गढ़ कर मोदी सरकार को बदनाम करने का काम कर रहा है। चुनाव आयोग संविधान द्वारा स्थापित संवैधानिक निकाय होने के बावजूद मोदी सरकार के विभिन्न निर्णयों के बाद कई मौकों पर विवादों में आता रहा है। स्वतंत्र–निष्पक्ष चुनाव का दारोमदार अंततः आयोग पर होता है। मगर पूर्व में चुनाव आयुक्त रह चुके सुकुमार सेन, टीएन शेषन और जेएम लिंग्दोह की तरह कोई भी संस्था की प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने में सफल नहीं हो सका।

गोलमाल 5 की रिलीज डेट आउट?

गोलमाल के फैंस अब सातवें आसमान पर जा सकते हैं क्योंकि रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी फेवरेट फ्रेंचाइजी की पांचवीं किस्त गोलमाल 5 पर काम चल रहा है. यह अब तक की सबसे लोकप्रिय और सुपरहिट फ्रेंचाइजी में से एक है. कुछ हफ्ते पहले, जॉनी लीवर ने भी गोलमाल 5 पर काम चलने की हिंट दी है. जोनें फिल्म की रोमांचक अपडेट्स के बारे में. रिपोर्ट के अनुसार, रोहित शेट्टी गोलमाल 5 के लिए अजय देवगन के साथ फिर से जुड़ने के लिए तैयार हैं. बता दें यह फिल्म फरवरी/मार्च 2026 तक फ्लोर पर आ जाएगी और 2027 की पहली छमाही में बड़े पर्दे पर आएगी. रोहित शेट्टी फिलहाल मुंबई में जॉन अब्राहम के साथ राकेश मारिया की बायोपिक की शूटिंग कर रहे हैं और सितंबर 2025 तक इसे खत्म कर देंगे. वे इस साल के अंत तक एडिट को लॉक करने के लिए तैयार हैं, ताकि 2026 की शुरुआत में इसे रिलीज किया जा सके. राकेश मारिया की बायोपिक पर काम पूरा करने के तुरंत बाद, रोहित गोलमाल 5 की तैयारी में लग जाएंगे और इसे फरवरी/मार्च 2026 तक फ्लोर पर ले जाएंगे.

दूसरी ओर राइटर्स गोलमाल 5 की स्क्रिप्ट पर काम कर रहा है जिसे सितंबर 2025 तक लॉक किए जाने की उम्मीद है. रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित गोलमाल सीरीज कुछ दोस्तों के इर्द–गिर्द घूमती है, जिनके किरदार ड्रामा और कॉमेडी से भरपूर हैं.

ब्रिसबेन हीट ने जेमिमा रोड्रिग्स को किया रिटेन

मेलबर्न, ाहिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) ड्राफ्ट के दौरान ब्रिसबेन हीट ने भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स को रिटेन किया है। ड्राफ्ट में आठ फ्रेंचाइजी ने कुल 23 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि मध्यक्रम की बल्लेबाज रोड्रिग्स ब्रिसबेन में प्रशंसकों की पसंदीदा हैं, इसलिए उन्हें ब्रिसबेन हीट फ्रेंचाइजी ने वेस्टइंडीज की चिनेल हेनरी और दक्षिण अफ्रीका की नादिन डी क्लार्क के साथ टीम में बरकर-ार रखा है। भारत की कुल 15 महिला खिलाड़ियों ने डब्ल्यूबीबीएल ड्राफ्ट के 10वें सत्र से पहले खुद को पंजीकृत किया था। ड्राफ्ट के दौरान श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू, दक्षिण अफ्रीका की पूर्व तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल और इंग्लैंड की पूर्व कप्तान हीथर नाइट को सिडनी थंडर ने चुना है। महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) ड्राफ्ट के दौरान ब्रिसबेन हीट ने भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स को रिटेन किया है। ड्राफ्ट में आठ फ्रेंचाइजी ने कुल 23 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि मध्यक्रम की बल्लेबाज रोड्रिग्स ब्रिसबेन में प्रशंसकों की पसंदीदा हैं, इसलिए उन्हें ब्रिसबेन हीट फ्रेंचाइजी ने वेस्टइंडीज की चिनेल हेनरी और दक्षिण अफ्रीका की नादिन डी क्लार्क के साथ टीम में बरकरार रखा है। भारत की कुल 15 महिला खिलाड़ियों ने डब्ल्यूबीबीएल ड्राफ्ट के 10वें सत्र से पहले खुद को पंजीकृत किया था।

बॉर्डर 2 का तीसरा शेड्यूल शुरू, सनी देओल संग दिलजीत

सनी देओल गदर 2 और जाट की सफलता के बाद अब बॉर्डर 2 की शूटिंग कर रहे हैं. बॉर्डर 2 का एलान गदर 2 की मास सक्सेस के बाद किया गया था. साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर एक ब्लॉकबस्टर फिल्म है, जिसमें सनी देओल ने अहम रोल प्ले किया था. बॉर्डर 2 पर लंबे समय से काम चल रहा है और फिल्म के दो शेड्यूल पूरे हो चुके हैं और अब तीसरा शेड्यूल शुरू हो गया है. आज सनी देओल ने फिल्म बॉर्डर 2 के तीसरे शेड्यूल के शुरू होने की जानकारी दी है और साथ ही फिल्म के मेकर्स और स्टारकास्ट के साथ अपनी तस्वीर भी शेयर की है. सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जो तस्वीर शेयर की है, उसमें खुद सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, वरुण धवन नजर आ रहे हैं. इस पोस्ट के साथ सनी ने बताया कि फिल्म बॉर्डर 2 का तीसरा शेड्यूल आज पुणे के नेशनल डिफेंस एकडेमी में शुरू हो गया है. इस तस्वीर में पहली बार फिल्म की स्टारकास्ट साथ में नजर आई है. कमाल की बात यह है कि इस बार बॉलीवुड फिल्म में पंजाबी स्टार दिलजीत दोसांज भी नजर आने वाले हैं. इस तस्वीर में फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार, निधि दत्ता और डायरेक्टर अनुराग सिंह भी नजर आ रहे हैं.

फिल्म मां का नया गाना काली शक्ति जारी, राक्षस से भिड़ती दिखीं काजोल

काफी समय से अभिनेत्री काजोल फिल्म मां को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी यह फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

अब इससे पहले निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना काली शक्ति जारी कर दिया है, जिसे उषा मिन्नी और सामी उत्थुप ने मिलकर गाया है।

गाने में काजोल जबरदस्त डांस करती दिख रही हैं। वह अपनी बेटी को बचाने के लिए एक राक्षस से भिड़ती नजर आ रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है, जो छोरी और छोरी 2 जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

बांग्लादेश ने बनाया 495 का स्कोर, निसांका के 187 रन की बदौलत श्रीलंका ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पहली पारी 495 रन पर समेटने के बाद श्रीलंका ने पलटवार किया। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने अपने टेस्ट करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेल श्रीलंका को मैच में बनाए रखा। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने पहली पारी में चार विकेट के नुकसान पर 368 रन बना लिए हैं। कामिंडू मेंडिस 37 रन और धनंजय डी सिल्वा 17 रन बनाकर नाबाद लौटे। तीसरे दिन का खेल शुरू होने पर बांग्लादेश की पहली पारी 484 रन में 11 रन और जुड़े। असिथा फर्नांडो ने आखिरी बल्लेबाज को आउट कर 495 रन पर पारी समेट दी। फर्नांडो ने कुल चार विकेट चटकाए। 495 रन के जवाब में उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 47 के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया। लाहिरु उदारा 29 रन बनाकर आउट हुए।

नहीं चला एंजेलो मैथ्यूज का बल्ला

हालांकि, इसके बाद दिनेश चंडीमल और पथुम निसांका के बीच दूसरे विकेट के लिए 238 गेंद पर 157 रन की साझेदारी हुई। चंडीमल 54 रन बनाकर आउट। वहीं, दूसरे छोर पर जमे निसांका ने अपना शतक पूरा किया। यह उनका घरेलू मैदान पर पहला टेस्ट शतक रहा। निसांका को अपना आखिरी टेस्ट मैच खेल रहे एंजेलो मैथ्यूज का साथ थोड़े समय के लिए मिला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 137 गेंद पर 89 रन की साझेदारी हुई।

दोहरे शतक से चूके निसांका

पथुम निसांका अपना दोहरा शतक बनाने से चूक गए। उन्हें हसन महमूद ने 187 के स्कोर पर आउट किया। श्रीलंका, बांग्लादेश की पहली पारी से महज 127 रन पीछे है। वहीं, बांग्लादेश के लिए हसन महमूद, तैजुल इस्लाम, नईम हसन और मोमिनुल हक ने एक–एक विकेट हासिल किए।

एक नजर

केदारदत्त कुनियाल बनें जिलाध्यक्ष

चमोली : बमणबेरा गांव के केदारदत्त कुनियाल को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी श्रम विभाग का चमोली जिलाध्यक्ष बनाया गया है। कुनियाल के ब्लॉक मुख्यालय पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कुनियाल ने कहा कि आने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एवं वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों में एकजुट होकर काम किया जाएगा। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महाबीर बिष्ट, पूर्व ज्येष्ठ उपप्रमुख हरेंद्र कोटेड़ी, महामंत्री राकेश मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष कंचन बिष्ट, पूर्व बीडीसी मेंबर प्रताप राम, पुष्कर फस्वार्ण, धर्म सिंह कोटेड़ी और किशोर घुनियाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

वादुक और भैंसवाड़ा के ग्रामीणों को मिली पेयजल किल्लत से निजात

चमोली : लंबे समय से पेयजल किल्लत झेल रहे ग्राम पंचायत वादुक और भैंसवाड़ा गांव के ग्रामीणों को इससे छुटकारा मिल गया है। जल जीवन मिशन योजना के तहत जल निगम ने करीब 19 किलोमीटर दूर से गांव में वादुक पेयजल योजना का निर्माण कर दिया है। ग्रामीण अभी तक एक किलोमीटर दूर स्रोत से पानी की व्यवस्था करते थे। वादुक गांव की जनसंख्या 550 है। वर्ष 2023 के अक्तूबर माह में जल निगम ने वादुक गांव के लिए पेयजल योजना का इस्टीमेट तैयार किया। शासन से गांव के लिए 19 किलोमीटर लंबी पेयजल योजना के निर्माण के लिए 1 करोड़ 9 लाख 26 हजार रुपये स्वीकृत किए गए। अब पेयजल योजना तैयार हो गई है और सप्लाई भी शुरू हो गई है। गांव की रमोती देवी, रुकमा देवी और बसंती देवी कहती हैं कि पहले देर रात तक पानी की व्यवस्था करने में लगे रहते थे। अब योजना बनने से हमें राहत मिली है। वहीं जल निगम के सहायक अभियंता प्रशांत सिंह का कहना है कि गांव में 27.50 केएल का स्टोरेज टैंक भी बनाया गया है। अब ग्रामीणों को पानी की व्यवस्था करने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

चारधाम यात्रा में डयूटी कर रहे पीआरडी जवानों को मिला वेतन

चमोली : युवा कल्याण विभाग प्रांतीय रक्षक दल चमोली को चारधाम यात्रा में लगे 200 पीआरडी जवानों के वेतन के भुगतान के लिए बजट मिल गया है। विभाग को शासन से 1.14 करोड़ रुपये मिले हैं जिससे पीआरडी जवानों को मई माह तक के वेतन का भुगतान भी कर दिया गया है। युवा कल्याण अधिकारी धीरेंद्रनाथ द्विवेदी ने बताया कि एक मई से 20 नवंबर तक चारधाम यात्रा में यातायात व सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही विभागों में जिले के 200 जवानों को लगाया गया है। इनके लिए शासन से बजट की डिमांड भेजी गई थी। बजट अब मिल गया है। जिले में अन्य सीजनल 176 जवान भी तैनात हैं। इनके वेतन के लिए भी बजट की व्यवस्था कर ली गई है। (एजेंसी)

सिमली अस्पताल में विशेषज्ञों की तैनाती की उठाई मांग

चमोली : महिला बेस अस्पताल सिमली में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी चमोली से मुलाकात की। गुरुवार को संघर्ष समिति अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने डीएम डॉ. संदीप तिवारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि करीब दस करोड़ की लागत से बने इस अस्पताल में महिला रोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट, दंत रोग विशेषज्ञ जैसे विशेषज्ञों का अभाव है, जिससे यह अस्पताल एक रेफर सेंटर बनकर रह गया है। वर्तमान में यहां सर्जन, ऑर्थोपेडिक सर्जन, तीन चिकित्सक, 20 नर्सिंग स्टाफ और दो फार्मासिस्ट कार्यरत हैं, लेकिन गंभीर मामलों के इलाज के लिए मरीजों को श्रीनगर या देहरादून जाना पड़ता है।

सफाई कर्मियों को नोटिस देने पर भड़का महासंघ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम में तैनात 15 सफाई कर्मियों को कारण बताओ नोटिस थमाने पर देवभूमि निकाय संयुक्त कर्मचारी महासंघ ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि नगर निगम कर्मचारियों का शोषण कर रहा है। कुछ लोग सफाई कर्मियों पर अवैध वसूली का आरोप लगा रहे हैं और नगर निगम आरोपों की जांच किए बिना ही कुछ सफाई कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की तैयारी कर रहा है।

महासंघ से जुड़े सफाई कर्मी नगर निगम के समीप मालवीय उद्यान पार्क में एकत्रित हुए। जहां उन्होंने निगम की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े किए। महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र सिंह घाघट ने बताया कि सफाई कर्मचारी पूरी ईमानदारी के साथ आपने कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं। लेकिन, नगर निगम उनका शोषण कर रहा है। बताया कि कुछ लोगों ने नगर निगम सफाई कर्मियों पर अवैध वसूली का आरोप लगाया था। जिस पर नगर निगम ने बिना जांच किए हुए 15 सफाई कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। यही नहीं, तीन दिन तक कारण न बताने पर नौकरी से निकालने की भी चेतावनी दी गई है। बताया कि बिना जांच इस तरह की कार्रवाई किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि नगर निगम ने अपना नोटिस वापस नहीं लिया तो सफाई कर्मचारी तीन दिन बाद कार्य बहिष्कार करेंगे। इस मौके पर मनोज वैद्य, वीरेंद्र सिंह ढींगिया, विनोद खत्री आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार नगर निगम की ओर से नोटिस जारी किए जाने के बाद मालवीय उद्यान में एकत्र सफाई कर्मचारी

संदिग्ध अवस्था में युवती की मौत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय बेस चिकित्सालय में उपचार के लिए पहुंची एक युवती की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। युवती दिल्ली से कोटद्वार पहुंची सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस में बेहोश मिली थी। मृतक युवती जनपद बिजनौर की रहने वाली थी।कोटद्वार रेलवे स्टेशन पर पहुंची सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस में एक युवती बेहोशी की हालत में मिली। युवती के पर्स में मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान जनपद बिजनौर के ग्राम बिलई-कोकरा, इस्लामपुर निवासी शालू (25 वर्ष) पुत्री हरपाल सिंह के रूप में हुई। रेलवे पुलिस बल ने युवती को कोटद्वार के बेस चिकित्सालय में लाकर भर्ती करा दिया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवती के फोन से मिले नंबर के आधार पर रेलवे पुलिस जनपद बिजनौर के अंतर्गत धामपुर क्षेत्र के ग्राम मिलक गंगोड़ा निवासी सूरज को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद कोटद्वार पहुंचे सूरज ने शालू को अपनी मंगेतर बताया। सूरज का कहना था कि शालू हरिद्वार में नौकरी करती है। उसने बिजनौर से शालू को सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस में यह कह कर बिठाया कि उसे नजीबाबाद से हरिद्वार के लिए गाड़ी मिल जाएगी। बताया कि शालू को नजीबाबाद उतरना था। लेकिन, वह कोटद्वार कैसे पहुंची, इस संबंध में उसे कोई जानकारी नही।

दर्जनों गांव में गुलदार की धमक, नींद में वन विभाग

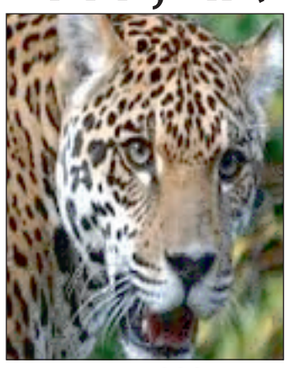

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में गुलदार की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। वर्तमान में पोखड़ा ब्लाक के अंतर्गत दर्जनों गांव में गुलदार की धमक बनी हुई है। आए दिन गुलदार गांव के आसपास घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। शाम ढलते ही ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। गुलदार ग्रामीणों के मवेशियों को भी निवाला बना रहा है।

विकासखंड पोखड़ा के अंतर्गत नौगांव, कसाणी, मटगल, बगड़ी, अलखेत, सकनोली, नौखोली का अधिकांश भाग जंगल से सटा हुआ है। ऐसे में आए दिन जंगली जानवर आबादी में धमक रहे हैं। ग्रामीण प्रदीप बहुखंडी व नवीन बहुखंडी ने बताया कि क्षेत्र में गुलदार के चार शावक घूम रहे हैं। ऐसे में ग्रामीणों का शाम ढलते ही घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। कुछ दिन पूर्व शावक गांव तक पहुंच गए थे। इसकी सूचना वन विभाग को भी गई। बावजूद अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। गुलदार लगातार ग्रामीणों के मवेशियों को निवाला बना रहा है, जिससे ग्रामीणों को आर्थिक समस्या से जूझना पड़ रहा है।

किच्छा के स्कूल में प्रवेश हुए महज 44 प्रवेश, छात्रवृत्ति 154 बांट दी

110 फर्जी एडमिशन दिखाकर 6.27 लाख रुपये गटके

काशीपुर। प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए संचालित छात्रवृत्ति में बड़े पैमाने पर हुए घोटाले में जिले के छह शिक्षण संस्थान शामिल हैं। किच्छा तहसील के एक शिक्षण संस्थान में पंजीकृत 154 छात्र-छात्राओं में से 110 फर्जी एडमिशन दिखाकर 6.27 लाख रुपये गटक लिए गए। वित्तीय वर्ष 2021-22 में अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना में कुल 16 शिक्षण संस्थान शामिल थे। इसमें 10 शिक्षण संस्थानों के अभिलेख तो शासन-प्रशासन को मिल चुके हैं लेकिन शेष छह शिक्षण संस्थानों के दस्तावेज आज तक मिल नहीं सके। शासन के निर्देश पर इन संस्थानों की जांच शुरू हो गई है। इसमें एक से पांच तक के बच्चों को मिलने वाली एक हजार रुपये और प्री मैट्रिक के रूप में छह से आठ तक के बच्चों को मिलने वाली 5700 की छात्रवृत्ति जांच की जद में है।

एसडीएम, बीईओ व ब्लॉक के सहायक अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जांच शुरू की तो किच्छा के एक अशासकीय स्कूल घोटाले की जद में आया। जांच में पाया गया कि कक्षा छह से आठ तक के कुल 154 छात्र-छात्राओं को 5700-5700 की दर से छात्रवृत्ति दी गई। इसमें 44 तो सही पाए गए लेकिन 110 विद्यार्थियों का अता-पता नहीं है। बड़ी बात है कि इस गड़बड़ी से विद्यालय प्रबंधन भी अनजान है। विद्यालय की ओर से 44 एडमिशन ही किए थे, वे सही पाए गए हैं लेकिन छात्रवृत्ति के लिए 110 नाम विभाग के पास कैसे पहुंच गए, ये बड़ा सवाल है।

सीरीज के मोबाइल नंबर का किया गया प्रयोगः अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति घोटाले में कोई बड़े रैकेट के शामिल होने का अंदेशा है।

कोटद्वार आ रही एक्सप्रेस ट्रेन के चालक की बिगड़ी तबीयत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आनंद विहार टर्मिनल से कोटद्वार आ रही एक्सप्रेस ट्रेन के चालक बाबूराम की अचानक तबीयत बिगड़ गई। आनन फानन में चालक को राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया। इस कारण ट्रेन साढ़े दस बजे तक कोटद्वार स्टेशन में खड़ी रही।

सुबह करीब पांच बजे ट्रेन का खाली रैक नजीबाबाद पहुंच गया था। इसी दौरान कोटद्वार की ओर आते समय सनेह रोड हाल्ड के समीप चालक बाबूराम की अचानक तबीयत खराब हो गई। इसके बाद ट्रेन को सहायक चालक ने संभाला और सुरक्षित कोटद्वार स्टेशन तक पहुंचाया। जैसे ही ट्रेन कोटद्वार पहुंची चालक को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें प्रथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया। चालक की तबीयत बिगड़ने के चलते ट्रेन कोटद्वार स्टेशन पर ही 10:30 बजे तक खड़ी रही। स्थिति को संभालने के लिए लक्सर से एक अन्य चालक को बुलाया गया, जिसके बाद ट्रेन को नजीबाबाद के लिए रवाना किया गया।

दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला कांग्रेस कमेटी ने दिव्यांग बच्चों के साथ मिलकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिवस मनाया। कहा कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाते हुए देश के विपक्ष को मजबूत बना रहे हैं। देश के हित में दिए गए कांग्रेस के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

गुरुवार को कांग्रेस की पूर्व प्रदेश महामंत्री रंजना रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ता व पदाधिकारी निंबूचौड़ स्थित दिव्यांग संस्थान में पहुंचे। जिला उपाध्यक्ष बलवीर सिंह रावत ने बताया कि कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने दिव्यांग बच्चों के साथ मिलकर राहुल गांधी के जन्मदिन पर केक काटा। साथ ही जन्म दिन पर सभी बच्चों को फल भी वितरित किए। वक्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा से असली जननेता के रूप में उभरे है। उन्होंने सभी जाति धर्म के लोगों के बीच समरसता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कहा कि उन्होंने सड़क से लेकर संसद तक जनमुद्दों को मुखरता से उठाया है। इस मौके पर श्रीधर प्रसाद वेदवाल, रमेश चंद्र खंतवाल, ज्योति रावत, गोपाल गुसाई मौजूद रहे। इधर, महानगर कांग्रेस कार्यालय में भी राहुल गांधी के जन्मदिन को संघर्ष, सेवा व संकल्प के महानगर अध्यक्ष संजय मित्तल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ताओं को मिष्ठान वितरित किया गया। सभी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी की दीर्घायु की कामना की है। कहा कि राहुल गांधी सिर्फ एक राजनेता ही नहीं, बल्कि देश के युवाओं, किसानों, मजदूरों व आमजन की आवाज है। इस मौके पर प्रवीन रावत, विजय रावत, धीरेंद्र सिंह बिष्ट, महावीर रावत, साबर सिंह नेगी, विजय माहेश्वरी मौजूद रहे।

कोटद्वार के दिया दिव्यांग संस्थान में दिव्यांग बच्चों को मिष्ठान खिलाते कांग्रेसी

जिला सूचना अधिकारी ने जनता दरबार में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : विकासखंड अगस्त्यमुनि के दूरस्थ ग्राम मणिगुह में गुरूवार को जिला सूचना अधिकारी वीरेश्वर तोमर की अध्यक्षता में जन संवाद एवं जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिला सूचना अधिकारी ने ग्रामीणों की सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि सभी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर जांच कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि शासन की मंशा हर जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसके लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जनता दरबार में सबसे अधिक शिकायतें जल जीवन मिशन से जुड़ी हुई थीं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पाइप लाइन बिछाने का कार्य आरंभ तो कर दिया गया था, लेकिन अब तक अधूरा ही पड़ा है, जिससे ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की सुविधा नहीं मिल पा रही है और उन्हें आज भी दूर-दराज के प्राकृतिक स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में कोई स्वास्थ्य भवन नहीं है, जिससे आपातकालीन स्थिति में उन्हें ईलाज के लिए कई किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि कई स्थानों पर बिजली की तारें पेड़ों पर झूल रही हैं, जिससे कभी भी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने संबंधित विभाग से शीघ्र इन पेड़ों की छंटाई अथवा उन्हें हटाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि जंगली सूअर, भालू एवं बंदरों का आतंक इतना बढ़ गया है कि खेतों में काम करना मुश्किल हो गया है और बच्चों व महिलाओं का शाम होते ही घर से बाहर निकलना भी कठिन हो गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ग्रामीणों ने बताया कि उनके आवास का निर्माण तो पूरा हो चुका है, लेकिन किस्त की धनराशि अभी तक नहीं मिली है, जिससे उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस अवसर पर सहायक कृषि अधिकारी शिवराज सिंह, कनिष्ठ अभियंता लोनिवि सत्येंद्र सिंह राणा, कृषक अरविंद भट्ट, सागर रावत, सुरेश सिंह, विपिन, जितेंद्र सिंह, भ्यूंराज सिंह, प्रवीन सिंह, त्रिभुवन नेगी, जीतपाल सिंह कुंवर, मंजू नेगी, धरमवीर सिंह आदि सहित बड़ी संख्या में अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

22 जून को होगी वन दरोगा की परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 22 जून को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 01:00 तक वन दरोगा की परीक्षा आयोजित की जा रही है। जिसके लिए जनपद में 09 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं।

परगना मजिस्ट्रेट चमोली राजकुमार पाण्डेय ने बताया कि परीक्षा केन्द्र के 200 मीटर की परिधि में धारा 163 लगायी गयी है तथा 200 मीटर की परिधि के अन्तर्गत 5 या उससे अधिक व्यक्ति एक स्थान पर एकत्र नहीं होंगे। परीक्षा केन्द्र में किसी व्यक्ति को सेलुलर फोन व पेजर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा केन्द्र के आसपास ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग वर्जित रहेगा। कोई व्यक्ति परीक्षा केन्द्र के आसपास अस्त्र नहीं ले जाएगा। परीक्षा केन्द्र के 200 मीटर की परिधि में फोटो स्टेट की दुकानें बंद रहेगी।

राजनैतिक दबाव के चलते सीटों के आरक्षण में किया फेरबदल : गोदियाल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के आरक्षण की अंतिम सूची में जिले के पंद्रह ब्लॉकों में से 6 ब्लॉक प्रमुखों की सीटों और जिला पंचायत की 38 में 14 सीटों के आरक्षण में फेरबदल किए जाने पर कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने सवाल उठाएं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पौड़ी जिले में राजनैतिक दबाव के चलते सीटों के आरक्षण पर बड़ा फेरबदल किया है।

पौड़ी जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की आरक्षण सूची का अंतिम प्रकाशन होने के बाद कांग्रेस नेता गणेश गोदियाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सीटों के आरक्षण में हुए बदलाव पर सवाल उठाते हुए कहा कि पौड़ी जिले में आरक्षण सूची में बदलाव कर घोर अनियमितताएं की गई है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र दरवान सिंह पुत्र मंगल सिंह के साथ एक विधवा औरत आ गयी है, जो कि दो बच्चों की माँ है। इस औरत के मेरे घर पर आने की वजह से मेरे घर की शांति भंग हो गई है तथा वह दिन भर लड़ाई झगड़ा करती रहती है, जिसकी वजह से मेरे घर का माहौल खराब हो गया है। मेरा पुत्र दरवान सिंह उक्त महिला के कहने के अनुसार चल रही है व मेरे कहने सुनने में नहीं है। इसलिए मैं अपने पुत्र दरवान सिंह को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं।

गणेशी देवी पत्नी मंगल सिंह निवासी निकट हरिद्वार रोड, वार्ड नंबर 18 शिवपुर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1044/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र मुकेश सिंह रावत एवं पुत्रवधु कविता अक्सर परिवार के साथ गाली-गलौच एवं मारपीट करते है तथा बहु द्वारा मुझे व मेरे परिवार को झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी दी जाती है, जबकि वह शादी के एक साल बाद से अलग रह रही है। मेरे पुत्र व पुत्रवधु का व्यवहार मेरे परिवार के साथ सही नहीं है। मुझे एवं मेरे परिवार का मेरे पुत्र तथा पुत्रवधु से कोई लेना-देना नहीं है। मैं अपने पुत्र मुकेश सिंह रावत व पुत्रवधु कविता से सम्बन्ध विच्छेद करता हूं तथा अपनी चल-अचल सम्पत्ति से वेदलख करता हूं। इन दोनों से लेन-देन, वाद-विवाद, मारपीट का मेरे व मेरे परिवार से कोई सम्बन्ध नहीं है। इन कृत्यों के ये स्वयं जिम्मेदार रहेगें।

सयन सिंह रावत पुत्र नेत्र सिंह निवासी ग्राम कोटडी पल्ली, पोस्ट वडियारगांव, तहसील रिखणीखाल, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1045/21)

उत्तराखण्ड योग और ऋषि मुनियों की भूमि : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री आवास परिसर में गुरुवार को योगाभ्यास किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी योग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से योग को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और आत्मबोध की एक प्रक्रिया है। यह हमारे मन को स्थिर कर चेतना की गहराइयों तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने भारतीय संस्कृति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत ने सदैव मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखा है और हमारी सनातन संस्कृति का मूल स्तंभ योग है। यही कारण है कि आज योग दुनिया के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गया है और भारतीय जीवन शैली को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड योग और ऋषि मुनियों की भूमि है। ग्राम स्तर तक सभी लोग योग से जुड़े, सरकार द्वारा इस दिशा में प्रयास किए गए हैं। योग से रोजगार के अवसर बढ़ाये जा रहे हैं। उत्तराखंड को योग और वेलनेस की वैश्विक राजधानी बनाने के लिए नई योग नीति लाई गई है।

6 ब्लॉक प्रमुखों और 14 जिला पंचायत सीटों पर आरक्षण में किया बदलाव

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : त्रिस्तरीय पंचायतों में आरक्षण को लेकर अंतिम सूची का प्रकाशन हो गया है। इससे पहले अनन्तिम प्रकाशन को लेकर जिले में विभिन्न पदों को लेकर 390 आपत्तियां दर्ज हुई थी, इन पर सुनवाई के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने पंचायतों के आरक्षण की अंतिम सूची कर दी। 6 ब्लॉक प्रमुखों और जिला पंचायत की 14 सीटों में फेरबदल किया गया है। इस फेरबदल के बाद ब्लॉक प्रमुखों से लेकर जिला पंचायत सदस्यों की सीटों पर राजनीतिक समीकरण भी बदल गए हैं।आरक्षण की इस अंतिम सूची में जिले के पंद्रह ब्लॉकों में से 6 ब्लॉक प्रमुखों की सीटों में आरक्षण में बदलाव किया गया है। जबकि जिला पंचायत की 38 में 14 सीटों पर भी आरक्षण में फेरबदल किया गया है। जिन सीटों पर फेरबदल हुआ है, उनमें कोट ब्लॉक के तहत आने वाली धौलकंडी जिला पंचायत सदस्य सीट एससी से अब सामान्य हो गई है। इसी तरह से ल्वाली, सुलमोड़ी सीटें सामान्य से एससी के लिए रिजर्व हो गई है। चांदपुर सीट एससी से सामान्य हो गई है। डोभ श्रीकोट सीट एससी महिला से एससी के लिए रिजर्व हो गई। इसी तरह से जहरीखाल ब्लॉक में आने वाली टसीला जिला पंचायत की सीट सामान्य से महिला के लिए रिजर्व की गई है। थलीसैंण ब्लॉक की टीला और बड़ेथ, खिर्सू ब्लॉक, बीरोंखाल की बमराड़ी की ग्वाड़ सीटें महिला से सामान्य की गई है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

मुरादाबाद मंडल के बरेली, मुरादाबाद, हरिद्वार एवं देहरादून स्टेशन के पार्सल कार्यालयों में सभी आउटगोइंग पार्सल की स्कैनिंग के लिए पार्सल स्कैनर मशीन के अनुबंध हेतु 05 साल के लिए ई-नीलामी के तहत दिनांक 03.07.2025 (समय 10:00 am) को www.ireps.gov.in के माध्यम से बोली आमंत्रित की जाएंगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं। 1828/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

क्रिटिकल केयर ब्लॉक का कार्य दिसंबर 2025 तक पूर्ण करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गुरुवार को जिला सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ;एनएचएम के अंतर्गत चमोली जनपद में स्वीकृत निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा बैठक ली। जिलाधिकारी ने गोपेश्वर में 2072.21 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर ब्लॉक में पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने, कार्यदायी संस्था को जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण से नक्शे का अनुमोदन शीघ्र कराने, सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिषेक गुप्ता ने जिलाधिकारी को जानकारी दी कि गोपेश्वर में क्रिटिकल केयर ब्लॉक का कार्य प्रगति पर है जिसे दिसंबर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है, सिमली के बेस अस्पताल में 42 बेड के बाल चिकित्सा देखभाल केंद्र का कार्य 99 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। वहीं, जिला एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य लैब (आईपीएचएल) का लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है और शेष कार्य अवशेष धनराशि प्राप्त होते ही शुरू हो जायेगा। उन्होंने बताया कि गैरसैंण, पोखरी, थराली, नारायणबगड़ एवं नंदानगर विकासखंडों में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स के निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिनमें प्रत्येक के लिए 50-50 लाख की धनराशि स्वीकृत की गयी है। गैरसैण में 50 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष कार्य प्रगति पर है, पोखरी में कार्य स्थल पर पेड़ होने के कारण कार्य रुका है जिसका जल्द निस्तारण करके कार्य शुरू किया जायेगा, इसके अलावा नंदानगर में 90 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने बताया कि थराली और नारायणबगड़ में निर्माण कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण हो गया है और उक्त भवन स्वास्थ्य विभाग को हस्तानातंरित कर दिया गया है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ट मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा **ई टेन्डर** जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है जो उसी दिन **16:00** बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

Tender No. Date	Name of work			
15-DRM-MB-25-26 08.04.2025	Heavy repair to level crossing roads in the section of SSE/W/DDN under ADEN/HW.			
16-DRM-MB-25-26 08.04.2025	Misc track activities in connection with track maintenance in LRJ yard and approaches in the section of SSE/P.Way/LRJ under ADEN-RK.			
17-DRM-MB-25-26 08.04.2025	Heavy repair of drain, road, roofing, door and windows etc. in block no. T-23, T-46, & T-47 and scout & guide huts in camping ground at HW and block E-1, T-4, T-6 & G-6 and scout & guide hut building at RKSH station and development of borewell in the section of SSE/W/HW under ADEN/HW			
18-DRM-MB-25-26 08.04.2025	Heavy repair and widening of circulating area road after providing drain, retaining wall and slab at DDN railway station under ADEN/HW			
निविदा का प्रकार	Works	Works	Works	Works
अनुमानित लागत ₹	59,75,057.55	44,95,038.76	94,99,719.56	79,92,198.45
धरोहर राशि ₹	1,19,500.00	89,900.00	1,90,000.00	1,59,900.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	15.07.2025 16:00	15.07.2025 16:00	15.07.2025 16:00	15.07.2025 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	01.07.2025	01.07.2025	01.07.2025	01.07.2025
ऑफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	12 माह	06 माह	06 माह

No. 74-W/2/3/WA/Publication Dated: 19.06.2025 1832/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

मनरेगा कर्मी 23 जून को करेंगे मुख्यमंत्री आवास कूच

उत्तरकाशी। पुरोला। मनरेगा कर्मचारी संगठन ने लंबित मांगों का निस्तारण नहीं होने पर रोष जताया। जल्द ही मांगों का निस्तारण न होने पर 23 जून को सीएम आवास कूच करने की चेतावनी दी। उन्होंने इस संबंध में बीडीओ को ज्ञापन प्रेषित किया। संगठन के पुरोला इकाई के अध्यक्ष ममराज रावत ने बताया कि मनरेगा एक महत्वपूर्ण योजना है। उत्तरखंड में लगभग 1187 कार्मिक संविदा दैनिक मस्टरोल के आधार पर विभिन्न पदों पर तैनात हैं। ये कर्मचारी पिछले 18 वर्षों से इस महत्वपूर्ण योजना को सुचारू रूप से चला रहे हैं। हालांकि उन्हें अत्यंत कम वेतन और शोषण युक्त जीवन जीना पड़ रहा है। इस सब के बावजूद उन्होंने योजना को चलाने में कोई लापरवाही नहीं बरती है। मनरेगा कर्मियों की ओर से पिछले कुछ वर्षों से लगातार नियमितीकरण और विभागीय समायोजन की मांग की जा रही है। बैठक में गणेश भट्ट, रविंद्र सिंह, संदीप बहुगुणा, गणेश, मनीष, देवराज भंडारी, विजय गण्डारी, किशन सिंह, रामलाल आदि मौजूद रहे।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिंवा मोरी को मिला भवन

उत्तरकाशी। विधायक दुर्गेश्वर लाल ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिंवा मोरी के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। एक करोड़ 99 लाख 62 हजार रुपये की लागत से बने विद्यालय भवन के उद्घाटन से क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। वर्ष 2019 की आपदा में विद्यालय भवन क्षतिग्रस्त हो गया था। पुरोला विधायक ने कहा कि वर्ष 2019 की आपदा में विद्यालय का भवन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद छात्रों को पढ़ाई के लिए काफी परेशानी हो रही थी। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री से समस्या बताई तो क्षेत्र की समस्या दूर हुई। वहीं उन्होंने विद्यालय के लिए भूमि दान करने वाले लोगों को सम्मानित किया। साथ ही विद्यालय की अन्य मांगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश चौहान, मंडल अध्यक्ष मोरी प्रेम सिंह, जयराम चौहान, सुखदेव राणा, सुमन रावत, मनोज चौहान, उपेंद्र चौहान, प्रकाश चौहान, जितेंद्र चौहान, संजय रावत, प्रदीप रस, सतीश चौहान, मोहन लाल आदि मौजूद रहे।

योग दिवस पर एकम्स ग्रुप में तीन दिवसीय शिविर शुरू

हरिद्वार। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर सिडकुल के एकम्स ग्रुप में बुधवार से तीन दिवसीय योग शिविर की शुरुआत हुई। योगाचार्यों ने पहले दिन कर्मचारियों को सूर्य नमस्कार, कपालभाति, अनुलोम, विलोम और विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया। योगाचार्य सुरेश भट्ट, मीनू सैनी, प्रभा शर्मा, अनीता वर्मा और वीरेंद्र कुमार की ओर से योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इस मौके पर एकम्स ग्रुप के प्रबंध निदेशक संदीप जैन ने कहा कि योग आज की व्यस्त जीवनशैली में मानसिक संतुलन और शारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि योग न केवल हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है,बल्कि यह कार्यक्षमता और उत्पादकता बढ़ाने में भी सहायक होता है।

फर्जी इनकम टैक्स दस्तावेजों पर मिली विदेशी शराब की दुकान, केस दर्ज

हरिद्वार। रुड़की के आसफनगर झाल क्षेत्र में विदेशी शराब की दुकान आवंटित कराने के लिए आवेदक ने कूटरचित आयकर दस्तावेजों का सहारा लिया। जांच में खुलासा होने के बाद जिला आबकारी अधिकारी की ओर से थाना सिडकुल में मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिला आबकारी अधिकारी कैलाश चंद्र बिंजोला ने बताया कि रुड़की निवासी अरविंद कुमार पुत्र ओमकार ने वित्तीय वर्ष 2024–25 में आबकारी विभाग की लॉटरी प्रक्रिया के तहत विदेशी मदिरा की दुकान हासिल की थी। आवेदन के समय उसने जो आयकर रिटर्न दाखिल किया, उसमें कुल आय 5,01,100 दर्शाई गई थी।

घर से लापता हुई दो किशोरियां, परिजनों ने दर्ज कराई शिकायत

हरिद्वार। रानीपुर थाना क्षेत्र की शिवालोक कॉलोनी से दो किशोरियां अचानक लापता हो गईं। परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन कहीं सुराग नहीं मिलने पर केस दर्ज कराया है। पीड़ित के पिता ने शिकायत कर बताया कि उसकी नाबालिग बेटी जान–पहचान की लड़की के यहां कनखल बैरागी कैम्प गई थी। परिजनों ने सभी रिश्तेदारों और जान–पहचान के लोगों से संपर्क किया, लेकिन दोनों लड़कियों का कोई सुराग नहीं लगा। कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने बताया कि दोनों किशोरियों की तलाश की जा रही है।

अफसर बच्चों के पोषण, शारीरिक और मानसिक विकास पर विशेष ध्यान दें

इकोलॉजी और इकोनॉमी के समन्वय की भावना के अनुरूप प्रस्ताव तैयार करें

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आगामी 24 जून को वाराणसी (बनारस) में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में होने वाली मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इकोलॉजी और इकोनॉमी के समन्वय की भावना के अनुरूप ऐसे ठोस और नवाचारपरक प्रस्ताव तैयार किए जाएं जो प्रदेश के समग्र, सतत और संतुलित विकास को नई गति प्रदान कर सकें। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को राज्य में बच्चों के पोषण, शारीरिक और मानसिक विकास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों का भविष्य ही राज्य और देश का भविष्य है, अतः उनके समग्र विकास के लिए एक समेकित और लक्ष्य आधारित योजना बनाई जाए। उन्होंने आईसीडीएस (समेकित बाल विकास योजना), खाद्य सुरक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा खेल विभाग को आपसी समन्वय से कार्य करने को कहा, ताकि बच्चों को उचित पोषण, खेल गतिविधियां, स्वास्थ्य सेवाएं और मानसिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जा सके। मुख्यमंत्री ने सभी सरकारी अस्पतालों में आयुष्मान योजना के अंतर्गत अनिवार्य पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक नागरिक को इस योजना का लाभ मिले, यह प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने आपातकालीन स्थितियों में त्वरित सहायता के लिए 112 हेल्पलाइन नंबर का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि आम जनता आवश्यक समय पर इस सुविधा का लाभ ले सके। बैठक में प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमन, सचिव विनोद कुमार सुमन एवं महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सेम मुखेम मंदिर मार्ग पर श्रद्धालुओं हेतु बनेगा टिनशेड

नई टिहरी। सिद्धपीठ सेम मुखेम जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो किमी पैदल रास्ते पर टिनशेड बनेगा। अब तक टिनशेड नहीं होने से मड़बागीसौड़ से मंदिर तक पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं को बारिश, धूप में परेशानी उठानी पड़ती थी। पैदल रास्ते का चौड़ीकरण के साथ ही चारों ओर रेलिंग लगाई जानी है। ताकि मंदिर में यात्री सुगमता से पहुंच सकें। निर्माण कार्य शुरू करने के लिए पेयजल निगम ने लगभग डेढ़ करोड़ की डीपीआर तैयार की है। प्रतापनगर ब्लॉक क्षेत्र में स्थित सेम मुखेम में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मड़बागीसौड़ से सेम मुखेम मंदिर पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को लगभग दो किमी पैदल दूरी तय करनी पड़ती है। मंदिर तक पहुंचने वाले रास्ते में श्रद्धालुओं को धूप और बारिश से बचने के लिए टिनशेड नहीं है। पिछले दिनों डीएम के सेम मुखेम पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने रास्ते में टिनशेड, रेलिंग निर्माण और रास्ते का चौड़ीकरण करने की मांग उठाई थी। उक्त कार्यों के लिए पर्यटन विभाग कार्यदायी संस्था को बजट उपलब्ध कराएगा। निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की ओर से पेयजल निगम खंबा को दी गई थी। पेयजल निगम के परियोजना प्रबंधक सौरभ शर्मा ने बताया कि सेम मुखेम मंदिर के रास्ते में टिनशेड बनाने, रास्ते का चौड़ीकरण करने और चारों तरफ रेलिंग लगाने के लिए लगभग डेढ़ करोड़ की डीपीआर तैयार कर ली गई है।

भक्त ही कर रहे गंगा–यमुना मां को दूषित

उत्तरकाशी। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में आस्था के नाम पर भगीरथी व यमुना नदियों को दूषित किया जा रहा है। यात्री और स्थानीय लोग नदी में कपड़े प्रवाहित कर रहे हैं, जिससे नदियां प्रदूषित हो रही हैं। जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से इसको लेकर लगातार जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, बावजूद समस्या जस की तस बनी है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में हर वर्ष लाखों श्रद्धालु गंगा–यमुना के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। वहां पर आस्था के नाम पर श्रद्धालु नदियों में वस्त्र भेंट करते हैं। साथ ही नदी किनारे स्नान करने वाले लोग भी अपने कपड़े वहां पर छोड़ देते हैं। इससे भगीरथी और यमुना इन कपड़ों से दूषित हो रही है। इस संबंध में जिला प्रशासन और गंगा प्रदूषण इकाई से जुड़े लोग कई बार वहां पर स्वच्छता अभियान चला चुके हैं। इसके साथ ही यात्रियों को जागरूक कर चुके हैं, बावजूद इसके लोग नदियों में कपड़े डाल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गत वर्ष नदी से निकाले गए कपड़ों का निस्तारण नहीं हो पाया है। उनको नदी से निकालने के बाद भी यमुनोत्री और गंगोत्री धाम में कई जगह एकत्रित किया गया है। इससे वे बारिश और अन्य गतलियों के कारण सीधा नदी में गिर रहे हैं। इसको लेकर गंगा विचार मंच की ओर से भी दोनों धामों में स्वच्छता अभियान चलाया गया, लेकिन धरातल पर कहीं भी कोई असर नहीं दिख रहा है।

2.50 करोड़ से चकाचक होगी टिपरी–हिंडोलाखाल सड़क

उत्तरकाशी। लंबे समय से खस्ताहाल टिपरी–हिंडोलाखाल सड़क मरम्मत के लिए वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। सड़क पर 10 किमी हिस्से तक मरम्मत और डामरीकरण कार्य किया जाना है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर कार्यदायी संस्था मानसून सीजन खत्म होने के बाद अक्तूबर से सड़क पर डामरीकरण कार्य शुरू करेगा।

टिपरी–हिंडोलाखाल सड़क जाखणीधार और देवप्रयाग के दर्जनों गांवों को जोड़ती है। टिपरी से आगे सड़क की लंबे समय से खस्ताहाल स्थिति बनी है। डामरीकरण उखड़ने से जगह–जगह गड्ढे बने हैं, जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कत हो ही थी। तंग हाल सड़क से परेशान स्थानीय लोग लंबे समय से सड़क मरम्मत की मांग कर रहे थे। लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी के अधिशासी अभियंता योगेश कुमार ने बताया कि टिपरी–हिंडोलाखाल सड़क पर डामरीकरण कार्य के लिए दो करोड़ 50 लाख की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर अक्तूबर से सड़क पर मरम्मत कार्य और डामरीकरण शुरू किया जाएगा।

सड़क पर जल्द शुरू होगा मरम्मत कार्य

प्रतापनगर ब्लॉक के लंबगांव–मोटणा–रजाखेत सड़क पर मरम्मत कार्य शुरू होने की उम्मीद जगी है। लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी के ईई योगेश कुमार ने बताया कि लंबगांव से मोटणा तक एक किमी सड़क पर डामरीकरण के लिए एक करोड़ 74 लाख की स्वीकृति मिल चुकी है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर जल्द ही सड़क पर कार्य शुरू किया जाएगा।

वाटर एटीएम बना शोपीस, यात्रियों को नहीं मिल रहा पानी

नई टिहरी। चारधाम यात्रा इन दिनों चरम पर है। गंगोत्री–यमुनोत्री मार्ग पर यात्रियों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, लेकिन कंडीसौड़ बाजार में यात्रियों की सुविधा के लिए लगाया गया प्रीपेड वाटर एटीएम इन दिनों सुविधा के बजाय मुसीबत बना है। वाटर एटीएम पिछले 15 दिनों से खराब पड़ा है। श्रद्धालु एक रुपये का सिक्का डालने के बावजूद ठंडा और शुद्ध पेयजल प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। गुजरात से गंगोत्री की यात्रा पर जा रहे नारायण भाई ने बताया कि उन्होंने जब वाटर एटीएम में सिक्का डाला, तो मशीन ने एरर दिखाया। जब उन्होंने दूसरा सिक्का डाला, तो बोतल में मात्र एक चौथाई ही पानी आया। उन्हें बाजार से पानी खरीदने को मजबूर होना पड़ा। स्थानीय निवासी भूपेंद्र सिंह, अनिल, सुरेंद्र सिंह का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। पिछले लगभग 15 दिनों से वाटर एटीएम बंद तो पूरी तरह से बंद रहता है। कभी बहुत कम मात्रा में पानी देता है। उन्होंने बताया कि स्थानीय जल संस्थान के कर्मचारियों को इस बारे में अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस संबंध में जल संस्थान के सहायक अभियंता गिरीश सेमवाल ने बताया कि उन्हें वाटर एटीएम के खराब होने की जानकारी नहीं है।

शिवसेना का 59वां स्थापना दिवस: रक्तदान शिविर के साथ मनाया गया समारोह

देहरादून। शिवसेना द्वारा 19जून 2025 को अपना 59वां स्थापना दिवस मनाया गया इस शुभ अवसर पर शिवसैनिको ने दून मेडिकल कॉलेज देहरादून पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया शिवसैनिको ने हर्ष उल्लास के साथ बढ़–चढ़कर रक्तदान किया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शिवसेना प्रदेश प्रमुख गौरव कुमार ने कहा कि आज प्रत्येक शिव सैनिक एवं हिंदुत्व को मानने वालों के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है आज ही के दिन 59 वर्ष पूर्व मुंबई के शिवाजी पार्क पर हिंदू हृदय सम्राट वंदनीय बालासाहेब जी ठाकरे ने 19 जून 1966 को देश के मजदूरो, मजबूरो, वंचितों , एवं हिंदुओं के अधिकारों की रक्षा के लिए, शिवसेना का गठन किया आज पूरे देश में शिव सैनिक बालासाहेब जी के विचारों से प्रेरणा लेकर समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं जिला प्रमुख अमित कर्णवाल ने सभी शिव सैनिकों को बधाई देते हुए सभी रक्त दान वीरों का हार्दिक आभार व अभिनंदन किया। इस अवसर पर उपप्रमुख शिवम गोयल, महासचिव विकास मल्होत्रा,अभिनव बेदी, नितिन कुमार,आदेश सिंह,श्याम सिंह,अमित डिमरी, सुमित गंभीर, कृष्ण बेदी, लक्ष्य बजाज, कृष्ण गोपाल सिंघल,सौरभ गुप्ता, शिवम शर्मा, शिवा ढींगरा, हर्षित, पुलकित, सार्थक गर्ग, वासु परविन्दा,विनीत नागपाल, मोहम्मद फरीद, संदीप कर्णवाल,साहिल सहगल, आनंद बड़ौनी,विजय गुलाटी, अक्षय शर्मा, मनोज सरीन, साक्षी परविन्दा,निधि बजाज, यशस्वी बिश्नोई, रोहित बेदी, हेमराज, रोशन राणा, आदेश चंदेल,अरविंद अग्रवाल, कपिल छाबड़ा, आदि शिव सैनिक उपस्थित रहे।

ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज होगी अब शिकायतें : डीएम खंडेलवाल

नई टिहरी। पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज जाखणीधार में डीएम निकिता खंडेलवाल की अध्यक्षता में जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीणों ने पेयजल, शिक्षा, बिजली संबंधी शिकायतें दर्ज कराई। डीएम ने कहा कि सभी शिकायतों को पोर्टल पर ऑनलाइन कर एक सप्ताह में इनके निराकरण के संबंध में समीक्षा की जाएगी।विधायक किशोर उपाध्याय ने उम्मीद जताई की जाखणीधार क्षेत्र की लंबित समस्याओं का जल्द समाधान होगा। छेडी गांव निवासी दिव्यांग विमला देवी ने अंत्योदय का राशन कार्ड बनाने की मांग की। नरोत्तम प्रसाद ने नवाकोट–श्रीकोट मोटर मार्ग पर पिछले लोनिवि के क्षतिग्रस्त पुश्ता का निर्माण,मदन परमार ने चोपड़ा–सैंण पिपोला मार्ग पर बारिश के मलबे को हटाने,समीर कुमार ने पिपोला–रागड़ा मार्ग का डामरीकरण, सोहन लाल रतूड़ी ने नवाकोट मार्ग पर निर्माण के लिए पेड़ों का छपान जल्द कराने, गेंवली देवल के राम लाल ने जर्जर हो चुके उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन की मरम्मत करने, नवाकोट की रेनू देवी ने आपदा से क्षतिग्रस्त हुए आवासीय भवन निर्माण को सहायता देने, रतोली के पूर्व प्रधान सत्ये सिंह ने जायका परियोजना में 11 माह तक काम करने वाले दो चौकीदारों का मानदेय भुगतान करने, रामलाल सेमवाल ने गेंवली पेयजल योजना के निर्माण में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए जांच करवाने की मांग की। इस मौके पर निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख सुनीता देवी,पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख आशा राम थपलियाल,भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप सिंह,डीडीओ मो.असलम आदि मौजूद रहे।

अस्पताल में टेलीमेडिसन की सुविधा न होने पर खफा हुई डीएम

डीएम निकिता खंडेलवाल ने जाखणीधार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, तहसील और ब्लॉक कार्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अस्पताल में टेलीमेडिसन की सुविधा नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। सीएमओ डॉ. श्याम विजय को इस बारे में कल तक पूरी रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा। तहसील परिसर में पथ प्रकाश की व्यवस्था न होने पर हैरानी जताते हुए एडीएम संदीप कुमार को परिसर में लाइट लगाने के लिए कल ही उरेडा से संपर्क कर व्यवस्था बनाने को कहा।

भिलंगना ब्लॉक की तीन सड़कों के निर्माण को मिली हरी झंडी

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक की तीन नई सड़कों के निर्माण के लिए प्रदेश सरकार ने हरी झंडी दे दी है। ग्रामीण लंबे समय से सड़क की मांग कर रहे थे। करीब 11 किमी लंबी इन सड़कों के लिए 10–10 हजार की टोकन मनी भी जारी हो गई है। विधायक शक्ति लाल शाह ने बताया कि राज्य योजना के अंतर्गत मथकुड़ी–पंगरियाणा से महरगांव–डारसिल तक 2.80 किमी लंबे मोटर मार्ग के लिए 90.45 लाख की मंजूरी मिली है। द्वितीय चरण की सड़क के स्टेज–1 का कार्य किया जाना है। लस्यालगांव से पनुणा–बछणगांव होते हुए पशु सेवा केंद्र तक पांच किमी सड़क के लिए 1 करोड़ 61 लाख 32 हजार और विनयखाल–भिगुन–दला तक 2.75 किमी लंबी सड़क के लिए 91 लाख 26 हजार की धनराशि मंजूर हुई है। बताया कि विधानसभा क्षेत्र के 90 प्रतिशत गांवों को सड़क सुविधा से जोड़ दिया है, अवशेष गांव व तोक भी जल्द जुड़ जाएंगे। सड़कों की स्वीकृति मिलने पर निवर्तमान प्रमुख बसुमति घणाता, नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद बिष्ट, गोविंद सिंह राणा, दिनेश भजनियाल ने सरकार का आभार जताया है।

गांवों में चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे कार्यकर्ता

नई टिहरी। केंद्र सरकार के विकसित भारत सेवा सुशासन गरीब कल्याण के 11 वर्ष की उपलब्धियों को लेकर भाजपा की ओर से नई टिहरी में कार्यशाला आयोजित की गई। पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विनोद रतूड़ी ने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जहां समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू किया गया है। आयुष्मान योजना के तहत प्रदेश के 59 लाख से अधिक लोगों के स्वास्थ्य कार्ड बनवाएं गए हैं। शहीदों के आश्रितों को दिए जाने वाली अनुदान राशि बढ़ाकर 60 लाख रुपये की गई है। प्रदेश के चारों धामों में शीतकालीन यात्रा शुरू की गई है। प्रदेश की एक लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के साथ केंद्र व प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लोगों को लाभ मिल रहा है। मंडल अध्यक्ष विजय कठैत ने कहा कि चौपालों के माध्यम से कार्यकर्ता जनता तक सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाने का काम करेंगे। इस मौके पर दिनेश डोभाल, डॉ प्रमोद उनियाल, रामलाल नौटियाल, शीशराम थपलियाल, जगदंबा रतूड़ी, आनंदी नेगी, तौफिक अहमद, प्रताप राणा, लीला मखलोगा, विमला खंडका, अनिता भट्ट, गीता नेगी, मधु भट्ट मौजूद थे।

दोबांस को वाइब्रेंट गांव में शामिल करने की मांग

पिथौरागढ़। जिले के मूनाकोट के पूर्व ज्येष्ठ उपप्रमुख खीमराज जोशी और पूर्व प्रधान गणेश जोशी ने ग्राम पंचायत दोबांस को वाइब्रेंट ग्राम पंचायत में सम्मिलित करने की मांग को लेकर एडीएम योगेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा। खीमराज जोशी ने कहा कि ग्राम पंचायत दोबांस भी अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगी हुई है। सभी सीमा से लगे हुए गांवों को वाइब्रेंट ग्राम पंचायत में सम्मिलित किया गया है। इससे सभी को शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी आदि की सुविधा उपलब्ध होगी। वहीं दोबांस को वाइब्रेंट ग्राम पंचायत में सम्मिलित नहीं किया गया है। उन्होंने दोबांस कोवाइब्रेंट ग्राम पंचायत में सम्मिलित करने की मांग की है।

6 महीनों में 60 लोगों की जान बचा चुका है रुड़की का जलवीर मोनू

हरिद्वार। रुड़की शहर के बीचोंबीच से होकर बहने वाली गंगनहर में आए दिन हादसे होते रहते हैं। कभी नहाते हुए असावधानीवश कोई डूब जाता है तो कभी घर–परिवार में विवाद के चलते जान देने के लिए कोई नहर में कूद जाता है। ऐसे लोगों के लिए जलवीर मोनू किसी देवदूत से कम नहीं हैं। मोनू की तैराकी के आगे बड़े से बड़े तैराक नतमस्तक हैं। इसलिए लोग अब किसी को नहर में डूबता देखते हैं तो पुलिस के बजाय सीधे मोनू को फोन को फोन लगाते हैं। मोनू ने जिन लोगों की जान बचाई, उनमें कुछ ऐसे भी हैं, जिन्होंने आत्महत्या के इरादे से गंगनहर में छलांग लगाई थी। मोनू अब पुलिस की टीम का हिस्सा हैं। पुलिस भी कांवड़ यात्रा से लेकर कलियर उर्स तक में उनकी सेवा लेती है। रुड़की का यह जलवीर इस वर्ष जनवरी से अब तक 60 लोगों की जान बचा चुका है, जबकि पिछले पांच वर्ष में यह आंकड़ा 600 से अधिक जिंदगी बचाने का है। मोनू की इस दिलेरी एवं सेवाभाव को देखते हुए एसएसपी हरिद्वार ने उन्हें तीन बार सम्मानित किया है।

500 से अधिक शव निकाल चुके मोनूः गंगनहर में अटके और बहकर आने वाले शव को बाहर निकालने का जिम्मा भी पुलिस ने मोनू को ही सौंपा है। जब भी गंगनहर में कहीं पर किसी शव के अटके होने की सूचना मिलती है तो पुलिस मोनू को मौके पर भेजती है। मोनू ने बताया कि अब तक वह करीब 500 शव नहर से निकाल चुके हैं। परिवार पालने को चलाते हैं चाय की दुकानः मोनू परिवार के साथ सोलानी पार्क के पास झोपड़ी में रहते हैं। वहीं पर वे परिवार की गुजर के लिए चाय की दुकान चलाते हैं। गंगनहर में डूबने की ज्यादातर घटनाएं भी सोलानी पार्क के आसपास ही होती हैं। लिहाजा, इस तरह के हादसे की सूचना मिलने ही मोनू तत्काल मौके पर पहुंच जाते हैं।

बच्चों को भी सिखा रहे तैराकी : मोनू के तीन बच्चे हैं, जिन्हें वह तैराकी सिखा रहे हैं। मोनू का कहना है कि उनकी तरह ही बच्चे भी तैराकी सीखने के बाद लोगों की जान बचाएंगे।

योगाभ्यास प्राकृतिक परिवेश में करना लाभकारी

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विवि की ओर से गुरुवार को प्रेम नगर आश्रम गंगा घाट पर हरित योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक आदेश चौहान ने कहा कि योगाभ्यास प्राकृतिक परिवेश में करने से ही लाभकारी होता है। इसीलिए पीपल, वट वृक्ष के नीचे ध्यान और नदी के किनारे, एकांत निर्जन वन में साधना की परम्परा रही है। प्रो. सुनील कुमार जोशी ने कहा कि योगाभ्यास को जीवन का अंग बना लेना चाहिए। शुद्ध वायु अब अशुद्ध हो चुकी है, इसीलिए प्राणायाम के अभ्यास के लिए स्वच्छ पर्यावरण आवश्यक है। प्रेम नगर आश्रम के महात्मा स्वामी हरिसंतोषानन्द ने कहा कि योग और पर्यावरण एक दूसरे के पूरक हैं। मन को नियंत्रण में लाने के उपाय योग को प्रकृति के साथ ही उसे सम्पन्न किया है।

सड़क पर उतरे कांग्रेसी, निकाला जुलूस

रुद्रपुर। बाजपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सांकेतिक धरना देकर सीएम के नाम एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा को 11 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। इससे पहले कार्यकर्ता रामलीला मैदान में एकत्र हुए। यहां जुलूस के रूप में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उसके बाद एसडीएम कार्यालय में सांकेतिक धरना दिया। किसान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हरमिंदर सिंह लाडी ने कहा कि प्रदेश के मुखिया धामी ने किसानों को भरोसा दिया था लेकिन बीस गांव की भूमि मामले का समाधान नहीं किया गया। उन्होंने गन्ना मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करने, किसानों के ट्यूबवैल के बिजली बिल माफ करने, खनन में हो रही लूट मामले में सख्त कार्रवाई करने, महिला और दलित उत्पीड़न की घटनाओं पर रोक लगाने आदि की मांग की। इसके अलावा बाजपुर में बीस गांव की 5838 एकड़ भूमि के छीने गए भूमिधरी अधिकारों को तत्काल वापिस करने, किसानों को एमएसपी गारंटी दिए जाने, चीनी मिल श्रमिकों का तत्काल वेतन दिए जाने, चीनी मिल नवंबर माह के पहले सप्ताह में शुरू करने आदि मांगें शामिल हैं।

किसान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हरमिंदर सिंह लाडी और विधायक प्रतिनिधि डीके जोशी की अगुवाई में

डीआईटी विश्वविद्यालय को कॉम्पास ग्रुप इंडिया के सहयोग से 'ईट राइट कैंपस' प्रमाणपत्र प्राप्त

देहरादून। डीआईटी विश्वविद्यालय को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा प्रतिष्ठित 'ईट राइट कैंपस (एफ)' प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि चार्टवेल्स बाय कॉम्पास ग्रुप इंडिया के सहयोग से हासिल की गई है, जो विश्वविद्यालय में एक सुरक्षित, स्वस्थ और सतत भोजन वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रमुख मील का पत्थर है। एफएसएसएआई द्वारा शुरू की गई ईट राइट कैंपस पहल का उद्देश्य भारत के शैक्षणिक संस्थानों में खाद्य सुरक्षा और पोषण संस्कृति को बढ़ावा देना है। यह प्रमाणपत्र इस बात का प्रमाण है कि डीआईटी विश्वविद्यालय और कॉम्पास ग्रुप इंडिया मिलकर छात्रों व स्टाफ को न केवल सुरक्षित और पोषणयुक्त बल्कि उच्च गुणवत्ता वाले भोजन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चार्टवेल्स बाय कम्पास ग्रुप इंडिया , जो डीआईटी विश्वविद्यालय के लिए खाद्य सेवा भागीदार है, ने इस प्रमाणन को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन, संतुलित व पोषक मेनू तैयार करना, और स्वच्छता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करना इस सफलता में मुख्य योगदान रहा। श्री विकास चावला, प्रबंध निदेशक, कॉम्पास ग्रुप इंडिया ने कहा, "डीआईटी विश्वविद्यालय में 'ईट राइट कैंपस' प्रमाणन प्राप्त करना हमारे साझा संकल्प का प्रमाण है कि हम छात्रों की भलाई और खाद्य सेवा में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह सिर्फ भोजन परोसने की बात नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर बनाने और स्वस्थ भविष्य की नींव रखने का कार्य है।"इस प्रमाणपत्र उन संस्थानों को प्रदान किया जाता है जो खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्यवर्धक खान–पान को बढ़ावा देने के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हैं। प्रो. जी. रघुरामा, कुलपति, डीआईटी विश्वविद्यालय ने कहा,"डीआईटी विश्वविद्यालय में हम मानते हैं कि पोषण और खाद्य सुरक्षा, शैक्षिक सफलता की आधारशिला हैं। ईट राइट कैंपस प्रमाणन इस बात की पुष्टि करता है कि हम एक ऐसा परिसर वातावरण प्रदान करने के लिए प्रयासरत हैं जहाँ बौद्धिक और शारीरिक दोनों प्रकार की भलाई को समान महत्व दिया जाता है। हम कम्पास ग्रुप इंडिया के समर्पण के लिए आभारी हैं।"यह मान्यता विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है कि वह छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और पोषणयुक्त कैंपस अनुभव प्रदान करता रहे। चार्टवेल्स और कॉम्पास ग्रुप इंडिया के बारे में चार्टवेल्स, शिक्षा क्षेत्र में खाद्य सेवाओं का एक अग्रणी ब्रांड है जो कम्पास ग्रुप का हिस्सा है। यह स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पोषणयुक्त, नवाचारयुक्त और आकर्षक भोजन समाधान प्रदान करता है। कम्पास ग्रुप इंडिया , वैश्विक कंपनी कम्पास ग्रुप पीएलसी की भारतीय इकाई है, जो 35+ देशों में कार्यरत है। 2008 से भारत में सेवाएं प्रदान कर रही यह कंपनी वर्तमान में 450+ स्थानों पर कार्यरत है।कम्पास ग्रुप इंडिया को वर्ष का सर्वाधिक प्रशंसित खाद्य नवाचार, कोका कोला गोल्डन स्पून पुरस्कार, और द इकोनॉमिक टाइम्स बेस्ट ब्रांड्स 2020 जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469 / 79
फोन / फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com